Good Morning

निष्पक्ष एवं प्रगतिशील विचारों का सशक्त दैनिक

# प्रसारण

सोमवार 19 जनवरी 2026

विक्रम संवत् 2082

माघ सुदी एकम्

● वर्ष 37 अंक 135 ● पृष्ठ : 8

रतलाम

मूल्य : 1.50 रू.

प्रधान सम्पादक - श्रेणिक कोठारी

Email: Prasaran@rediffmail.com, prasaran2014@yahoo.com

पेज नं.5 स्टॉर्म से निर्माता बनेंगे ऋतिक

## जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ में आतंकियों ने की फायरिंग

● सुरक्षा बलों ने भी दिया मुंहतोड़ जवाब, सर्च ऑपरेशन जारी

**किश्तवाड़ (एजेंसी)।** जम्मू कश्मीर में किश्तवाड़ जिले के एक सुदूर वन क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग शुरू कर दी है। इस बाद बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि दोपहर को चतरू क्षेत्र के मन्द्रल-सिंघूरा के पास सोननार गांव में

घेराबंदी और तलाश अभियान के दौरान गोलीबारी शुरू हुई। इलाके में अतिरिक्त बलों को भेजा गया है तथा विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। सूत्रों की मानें तो यहां जैश के आतंकी छिपे हुए हैं। सूत्रों के अनुसार, आतंकवादियों ने तलाशी दल पर गोलीबारी की, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की। गोलीबारी के बाद, पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई और ऑपरेशन को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों को मौके पर भेजा गया। घने जंगल वाले इलाके में तलाशी अभियान अभी भी जारी है। सूत्रों के अनुसार, माना जा रहा है कि जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों का एक समूह इलाके में फंसा हुआ है। हालांकि, आतंकवादियों की पहचान और संख्या के बारे में आधिकारिक पुष्टि का अभी भी इंतजार है।

## 35 करोड़ लोगों की सेहत की जिम्मेदारी उठा रहा यूपी

● लखनऊ में बोले सीएम योगी, हेल्थटेक कॉन्क्लेव का किया आगाज

**लखनऊ (एजेंसी)।** यूपी सिर्फ 25 करोड़ की आबादी वाला राज्य ही नहीं, देश के सबसे बड़े हेल्थकेयर कंज्यूमर मार्केट के रूप में ये 35 करोड़ लोगों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं का भार वहन करता हैं। इनमें कई पड़ोसी राज्य के मरीज भी शामिल है। जिनका यहां पर इलाज होता है। ये कहना हैं, सीएम योगी आदित्यनाथ का। रविवार को वो लखनऊ में यूपी हेल्थटेक कॉन्क्लेव 1.0 का

शुभारंभ करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश को मेडिकल टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर इनोवेशन और फार्मा मैन्युफैक्चरिंग का राष्ट्रीय और वैश्विक हब बनाने की दिशा में सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पिछले पौने नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन किया है, जिसके परिणाम आज जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले पौने नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने स्वास्थ्य क्षेत्र में वह परिवर्तन किया है, जिसकी कल्पना पहले संभव नहीं थी। वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में सरकारी और निजी क्षेत्र को मिलाकर कुल 40 मेडिकल कॉलेज थे।

# 'भागवत उवाच' धर्म ही मुझे और मोदी को चला रहा

● कहा-जब तक धर्म भारत का मार्गदर्शन करेगा, देश विश्वगुरु बना रहेगा

**मुंबई (एजेंसी)।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) चीफ मोहन भागवत ने कहा कि धर्म ही मुझे और नरेंद्र मोदी को धर्म ही चला रहा है। उन्होंने कहा कि धर्म पूरे ब्रह्मांड का चालक है। जब सृष्टि अस्तित्व में आई, तो उसके कामकाज को कंट्रोल करने वाले नियम धर्म बन गए। सब कुछ उसी सिद्धांत पर चलता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत को अपने संतों और ऋषियों से मार्गदर्शन मिलता रहा है। जब तक ऐसा धर्म भारत को चलाएगा, वह विश्वगुरु बना रहेगा। भागवत ने ये बातें रविवार को छत्रपति संभाजीनगर में संघ के शताब्दी वर्ष को लेकर आयोजित जनसभा में कहीं। सृष्टि बनने के बाद उसके संचालन के नियम ही धर्म बने और सब कुछ उन्हीं नियमों पर चलता है। दुनिया में आध्यात्मिकता की कमी है।

### प्रकृति की हर चीज का अपना कर्तव्य और अनुशासन होता है

धर्म सिर्फ पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है। प्रकृति की हर चीज का अपना कर्तव्य और अनुशासन होता है। कोई राज्य धर्मनिरपेक्ष हो सकता है, लेकिन कोई व्यक्ति या रचना धर्म के बिना नहीं हो सकती। जातिगत भेदभाव पर बात करते हुए भागवत ने कहा कि इसे खत्म करने के लिए मन से जाति को मिटाना होगा। पहले जाति काम और पेशे से जुड़ी थी, लेकिन बाद में यह भेदभाव का कारण बन गई। भागवत ने कहा कि आरएसएस का लक्ष्य समाज के साथ मिलकर भारत को उसके सर्वोच्च गौरव तक ले जाना है। संघ व्यक्ति के चरित्र निर्माण के जरिए राष्ट्र निर्माण करता है। आरएसएस न किसी से प्रतिस्पर्धा करता है और न ही किसी प्रतिक्रिया में बना संगठन है। संघ खुद बड़ा नहीं बनना चाहता, बल्कि पूरे समाज को आगे बढ़ाना चाहता है। जो लोग संघ को समझना चाहते हैं, उन्हें उसकी शाखाओं में आना चाहिए।

### यह हमारे पूर्वजों की विरासत है, जो हमें मिली है

मोहन भागवत ने कहा, जब तक ऐसा धर्म भारत का मार्गदर्शन करता रहेगा, तब तक भारत विश्वगुरु बना रहेगा। दुनिया के पास इस तरह का ज्ञान नहीं है क्योंकि उसमें आध्यात्मिकता की कमी है। यह हमारे पूर्वजों की विरासत है, जो हमें मिली है। भागवत ने कहा कि चाहे वह नरेंद्र भाई हों, मैं हूं, आप हों या कोई और, हम सभी को एक ही शक्ति चला रही है। यदि वाहन उस शक्ति से चले, तो कभी कोई दुर्घटना नहीं होगी। वह चालक धर्म है। धर्म पूरे ब्रह्मांड का चालक है। जब सृष्टि की उत्पत्ति हुई, तो वह नियम जो उसकी कार्यप्रणाली को नियंत्रित करते थे, वही धर्म बने। सब कुछ उसी सिद्धांत पर चलता है। आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि धर्म केवल धार्मिकता तक सीमित नहीं है।

सिंगूर रैली में पीएम मोदी ने ममता सरकार पर जमकर बोला हमला

# टीएमसी के मेगा-जंगलराज को खत्म करने के लिए तैयार है बंगाल

**सिंगूर (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में 830 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और कोलकाता को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाली तीन अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हुगली जिले के सिंगूर में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने जयरामबती-बारोगोपीनाथपुर-मयनापुर रेल लाइन का भी उद्घाटन किया और मयनापुर व जयरामबती के बीच एक ट्रेन सेवा शुरू की। उन्होंने कहा कि ये सभी केंद्रीय परियोजनाएं पश्चिम बंगाल के विकास को गति देंगी और केंद्र सरकार पूर्वी भारत के विकास के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने घुसपैठियों के मुद्दे पर तृणमूल पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि तृणमूल घुसपैठियों के लिए नकली डॉक्यूमेंट बना रही है। उनके लिए धरने पर बैठी है। तृणमूल घुसपैठियों को बचाने के लिए कुछ भी कर सकती है।

### घुसपैठियों को बचाने के लिए तृणमूल कुछ भी कर सकती है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घुसपैठियों के मुद्दे पर तृणमूल पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि तृणमूल घुसपैठियों के लिए नकली डॉक्यूमेंट बना रही है। उनके लिए धरने पर बैठी है। तृणमूल घुसपैठियों को बचाने के लिए कुछ भी कर सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तृणमूल के दौर में दंगाइयों के खुलेआम घूमने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि तृणमूल के छोटे, जूनियर नेता भी खुद को बंगाल का मालिक समझते हैं। बिहार के जंगलराज के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तृणमूल के दौर की तुलना दिल्ली की केजरीवाल सरकार से की है।

### विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा बयान

उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल में अपार क्षमता है। यहां बहुत बड़ी नदियां हैं। बहुत लंबी तटरेखाएं हैं। उपजाऊ जमीन है। पश्चिम बंगाल के हर जिले में कुछ खास है। बीजेपी हर जिले की इस ताकत को और बढ़ाएगी। पीएम मोदी की ये टिप्पणियां ऐसे समय आई हैं जब बीजेपी अगले तीन महीनों में होने वाले अहम विधानसभा चुनावों की तैयारी कर रही है। पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार केंद्रीय योजनाओं को लोगों तक पहुंचने से रोक रही है। उन्होंने कहा कि मैं बंगाल के लोगों की सेवा करना चाहता हूं, लेकिन टीएमसी सरकार केंद्रीय योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचने से रोकती है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने पूरे देश में मछुआरों को रजिस्टर करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाया है, लेकिन टीएमसी ने इस पर ब्रेक लगा दिया है।

# केरल चुनाव से तीन महीने पहले दक्षिण में कुम्भ स्नान

पेशवाई जैसी निकली रथयात्रा, पहले स्नान में उमड़ी भीड़

## 259 साल से बंद महामाघ उत्सव परंपरा दोबारा शुरू हुई

**मल्लपुरम (एजेंसी)।** केरल के मल्लपुरम जिले का मात्र 37 हजार की आबादी वाला छोटा सा कस्बा तिरुनावाया। वैसे तो यह जगह राज्य के प्राचीन भगवान नवमुकुंद (विष्णु) मंदिर और यहां हर 12 साल में होने वाले मामांकम उत्सव के लिए विख्यात है, लेकिन इस बार यहां 18 जनवरी से दक्षिण भारत का पहला कुम्भ शुरू हो गया है। यह दक्षिण की गंगा कही जाने वाली नीला नदी (भरतपुझा) के तट पर 3 फरवरी तक चलेगा। यह महामाघ उत्सव का बड़ा रूप है। जूना अखाड़ा, केरल की भारतीय धर्म प्रचार सभा इसके आयोजक हैं। राज्य में अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में हिंदुओं का इतना बड़ा जमावड़ा दक्षिण भारत में चर्चा का विषय बन गया है। मैं इस वक्त नवमुकुंद मंदिर के ठीक बाहर हूं और यहां से आप 6 किमी

के दायरे में कहीं भी चले जाएं, हर घर फूलों से सजा है। घरों, दुकानों पर जो पोस्टर लगे हैं, उन पर लिखा है- दक्षिण भारत का पहला कुम्भ। हालांकि बजट कम है, इसलिए यहां प्रयागराज कुम्भ जैसी टेंट सिटी नहीं बनी है। लोगों ने अतिथियों के लिए अपने घर केरल का यह उत्सव भव्य है। इसे मेरी शुभकामनाएं हैं। देशभर से लोग वहां पहुंच रहे हैं अवधेशानंदगिरी महाराज, आचार्य महामंडलेश्वर, जूना अखाड़ा खोल दिए हैं। तिरुर के मधुसूरन एस कहते हैं कि अब तक उत्तर भारत के कुम्भ में हम मेहमान बनकर जाते थे, अब अतिथि देवो भवः की परंपरा हम निभाएंगे।

# अमेरिका को लगा बड़ा झटका यूरोपीय संसद ने रोकी ट्रेड डील

ग्रीनलैंड को लेकर टैरिफ का दांव पड़ा उल्टा, अपनों ने घेरा

**पेरिस (एजेंसी)।** ग्रीनलैंड पर कब्जे की डोनाल्ड ट्रंप धमकियों को लेकर अमेरिका और यूरोपीय देशों में तनाव बढ़ता जा रहा है। यूरोपीय संसद ने बड़ा कदम उठाते हुए अमेरिका के साथ ऐतिहासिक ट्रेड डील पर रोक लगा दी है। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कंट्रोल के प्रस्ताव का विरोध करने वाले वाले यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की।

यूरोपीय संसद के इस कदम से पिछले साल हुए ट्रांसअटलांटिक समझौते पर सवालिया निशान लग गया है। इस समझौते पर पिछले साल जुलाई में राष्ट्रपति ट्रंप और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने हस्ताक्षर किए थे। समझौते का मकसद अमेरिकी टैरिफ को 15

प्रतिशत पर रखकर व्यापार संबंधों को स्थिर करना था। इसके बदले में अमेरिकी एक्सपोर्ट पर शुल्क को कम किया जाना था। लेकिन ग्रीनलैंड पर अमेरिकी दबाव ने इसके भविष्य पर सवाल खड़े हो गए हैं। ट्रंप ने अमेरिकी फैसले का विरोध करने वाले देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। इसमें वे देश थे जिन्होंने इस सप्ताह ग्रीनलैंड में अपने कुछ सैनिकों को भेजा था। ट्रंप ने टैरिफ की घोषणा के साथ यह भी कहा कि अगर ग्रीनलैंड पर कोई खरीद सौदा नहीं होता है तो इसे 1 जून से बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दिया जाएगा।

# मणिपुर में 3 साल पहले गैंगरेप की शिकार युवती की मौत

सदमे में थी, 2023 हिंसा में पहले किडनैपिंग, फिर हुई दरिंदगी

**इंफाल (एजेंसी)।** मणिपुर में 3 मई 2023 में जातीय हिंसा शुरू होने के तुरंत बाद गैंगरेप का शिकार हुई 20 साल की युवती की मौत हो गई है। गैंगरेप के समय वह सिर्फ18 साल की थी। एजेंसी के अनुसार, महिला लगभग तीन साल पहले किडनैपिंग और गैंगरेप के सदमे से अब तक उबर

● अब तक एक भी गिरफ्तारी नही, कुकी समुदाय का कैंडल मार्च

नहीं पाई थी। महिला की मां ने बताया कि वह गंभीर रूप से जख्मी हुई थी। गंभीर चोटों के कारण उनकी बेटी को सांस लेने में दिक्कत होने लगी थी। आखिरकार, 10 जनवरी को वह जिंदगी से जंग हार गई। महिला कुकी समुदाय से थी। उसने मणिपुर के सिंगहाट में अंतिम सांस ली। पीड़ित ने 21 जुलाई, 2023 को एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें उसने आरोप लगाया था कि 15 मई, 2023 को काले रंग की टी-शर्ट पहने चार

हथियारबंद लोग उसे सफेद बोलेरो में किडनैप कर पहाड़ी इलाके में ले गए। ड्राइवर को छोड़कर उनमें से तीन ने बारी-बारी से उसके साथ रेप किया था। 22 जुलाई, 2023 को पीड़ित का मामला सीबीआई को सौंप दिया गया। हालांकि, इस अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पीड़ित के लिए न्याय की मांग को लेकर 17 को कुकी समुदाय के लोगों ने चुराचंदपुर में कैंडललाइट मार्च निकाला।

### पीड़ित ने बताया था, कैसे आरोपियों के चंगुल से निकली

पीड़ित ने बताया था कि आरोपियों ने उसके साथ वो सभी घिनौनी हरकतें कीं, जो वे कर सकते थे। पूरी रात उसे कुछ भी खाने को नहीं दिया गया। पानी तक नहीं दिया गया। उसके आंखों पर पट्टी बंधी थी। सुबह शौचालय जाने के बहाने उसने आंखों पर बंधी पट्टी हटवाई और वहां से भाग निकली। एजेंसी के मुताबिक, सुबह होते ही वह पहाड़ी इलाके से भागकर नीचे पहुंची। वहां सब्जियां ले जा रहे एक ऑटो-रिक्शा चालक ने उसकी मदद की। वह उसे बिष्णुपुर पुलिस स्टेशन ले गया। हालांकि, वहां मैतेई पुलिसकर्मियों को देखकर उसने मदद लेने से इनकार कर दिया। पीड़ित की विनती पर रिक्शा चालक ने ही उसे इम्फाल के न्यू लम्बुलने इलाके में उसके घर तक पहुंचाया। फिर उसे कांगपोकपी के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में आगे के इलाज के लिए नगालैंड के कोहिमा में शिफ्ट किया गया था।

# 'सिंगूर' से बंगाल फतह की तैयारी में बीजेपी

● जिस मुद्दे ने ममता को सत्ता दिलाई, अब उसी से होगा 'खेला' ● टीएमसी का आरोप, पुराने घावों को कुरेदने की कोशिश में बीजेपी

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले सिंगूर मुद्दा एक बार फिर बंगाल की राजनीति के केंद्र में आ गया है। बंगाल बीजेपी अब तृणमूल सुप्रीमो को घेरने की कोशिश कर रही है, उसी सिंगूर का इस्तेमाल करते हुए, जो कभी सिंगूर आंदोलन के दौरान ममता बनर्जी के राजनीतिक उत्थान का मंच बना था। बीजेपी का दावा है कि सत्ता में आने पर वह टाटा को सिंगूर वापस लाएगी। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को सिंगूर में एक जनसभा को संबोधित करने

पहुंचे। कोलकाता से लगभग 40 किलोमीटर दूर मौजूद सिंगूर, 2006-08 के दौरान राज्य की राजनीति में सबसे बड़े संघर्षों में से एक का केंद्र था। बुद्धदेव भट्टाचार्य के नेतृत्व वाली वाम मोर्चा सरकार ने टाटा नैनो कारखाने के लिए लगभग 1000 एकड़ उपजाऊ कृषि भूमि का अधिग्रहण कर लिया, जिससे उग्र विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। तत्कालीन विपक्षी नेता ममता बनर्जी इस आंदोलन का चेहरा बन गईं। भूमि आंदोलन जल्द ही राज्यव्यापी राजनीतिक आंदोलन में तब्दील हो गया। सिंगूर आंदोलन पुलिस के साथ झड़पों, गिरफ्तारियों और कोलकाता में ममता की 21 दिनों की भूख हड़ताल के कारण सुर्खियों में रहा। टाटा मोटर्स ने आखिरकार 2008 में अपनी फैक्ट्री सिंगूर से गुजरात के साणंद में ट्रांसफर कर दी।

### सिंगूर को राजनीतिक हथियार बनाने की कोशिश में जुटी बीजेपी

हालांकि, लगभग दो दशकों के बाद भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर सिंगूर को राजनीतिक हथियार बनाने की कोशिश कर रही है। पार्टी का दावा है कि सिंगूर आंदोलन से आए राजनीतिक बदलावों के बावजूद, राज्य ने औद्योगीकरण का एक बड़ा अवसर खो दिया है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने सिंगूर को 'बंगाल के खोए हुए औद्योगीकरण का प्रतीक' बताया और कहा कि टाटा को निष्कासित किए जाने के बाद से ही उद्योग राज्य छोड़कर चला गया है। उनका दावा है कि अगर बीजेपी सत्ता में आती है, तो टाटा को सिंगूर वापस लाया जाएगा। बीजेपी सूत्रों ने बताया कि 18 जनवरी को मोदी की रैली में वे किसान भी शामिल हुए जिन्होंने कभी भूमि आंदोलन में भाग लिया था।

# जावरा में मेहरा श्रीजी टी वी एस शोरूम का भव्य शुभारंभ

## कर्नाटक के राज्यपाल और प्रदेश के उपमुख्यमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ आयोजन

प्रसारण न्यूज ◆ जावरा

नगर में व्यावसायिक विकास की नई कड़ी जोड़ते हुए मेहरा श्रीजी टीवीएस शोरूम का भव्य शुभारंभ किया गया। इस गौरवशाली अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत एवं मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में राजनीति और समाज सेवा से जुड़ी कई बड़ी हस्तियों ने शिरकत की, जिनमें शामिल थे सांसद~ सुधीर गुप्ता एवं श्री अनिल फिरोजिया, विधायक मथुरालाल डामर, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, संत समाज दिनेश व्यास एवं श्री नमन वैष्णव, विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक जितेंद्र गहलोत।

### कार्यक्रम की झलकियां

अतिथियों द्वारा भगवान गणपति के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर और फीता काटकर शोरूम का विधिवत उद्घाटन किया गया। स्वागत एवं परिचय वरिष्ठ अभिभाषक श्री प्रकाश मेहरा ने स्वागत भाषण दिया, जबकि श्री पिंकेश मेहरा ने टीवीएस शोरूम की विशिष्टताओं और दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी साझा की। टीवीएस कंपनी की ओर से श्री भाविक सरीन, राज कुमार वेष्य और शुभम ने भी अतिथियों का स्वागत किया।

**राज्यपाल का संदेश-** महामहिम श्री थावरचंद गहलोत ने कहा कि व्यापार में संबंधों की प्रगाढ़ता और विश्वसनीयता ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह शोरूम क्षेत्रवासियों की उम्मीदों पर खरा उतरेगा।

**उपमुख्यमंत्री के विचार-** श्री जगदीश देवड़ा ने मेहरा परिवार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि व्यावसायिक क्षेत्र में मेहरा परिवार की यह नई शुरुआत क्षेत्र के लोगों को बेहतर सेवाएं प्रदान करेगी।

**सांसद सुधीर गुप्ता का वक्तव्य-** उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप आज का युवा नौकरी के बजाय स्वरोजगार और व्यवसाय की ओर कदम बढ़ा रहा है, जो राष्ट्र के लिए सुखद है।

### विशेष उपस्थिति एवं आभार

कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिक, पत्रकार, अभिभाषक और ग्रामीण जन बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सुश्री न्यासा मेहरा ने सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन सी.एम. मेहता ने किया और अंत में शुभम मालानी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

# श्रीमती नर्मदा पाल का नेत्रदान, दो दृष्टिहीनों के जीवन में आएगा उजियारा

**रतलाम।** जवाहर नगर निवासी स्व. कन्हैयालाल पाल की धर्मपत्नी श्रीमती नर्मदा पाल के निधन उपरांत उनके परिजनों द्वारा नेत्रदान कर मानवता की उत्कृष्ट मिसाल प्रस्तुत की गई। इस पुण्य कार्य से दो दृष्टिहीन व्यक्तियों को दृष्टि प्राप्त होगी और उनके जीवन में नया प्रकाश आएगा। नेत्रम संस्था के सुशील मीनू माथुर ने दिवंगत के पुत्र प्रभुलाल पाल, नंदकिशोर पाल एवं परिजनों को इस महान कार्य हेतु प्रेरित किया। परिजनों की सहमति प्राप्त होते ही नेत्रम संस्था द्वारा रतलाम मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. अनीता मुथा को सूचना दी गई। उनके निर्देशन में नेत्र विभागाध्यक्ष डॉ. रिशेन्द्र सिसोदिया के नेतृत्व में नर्सिंग ऑफिसर राजवंत सिंह एवं विनोद कुशवाह ने गोविन्द वसुनिया के सहयोग से नेत्रदान प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। विशेष उल्लेखनीय रहा कि दिवंगत के निवास स्थान तक नेत्रदान टीम को पहुँचाने एवं पुनः मेडिकल कॉलेज लाने की संपूर्ण व्यवस्था नेत्रम संस्था के सदस्य सुशील मीनू माथुर द्वारा अपने निजी वाहन से की गई। नेत्रदान प्रक्रिया के दौरान परिवारजन, रिश्तेदार, मित्र एवं समाजजन उपस्थित रहे। उन्होंने प्रत्यक्ष रूप से कॉर्निया संरक्षण की प्रक्रिया को देखा, इससे जुड़ी भ्रांतियों को समझा तथा भविष्य में स्वयं भी नेत्रदान करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नेत्रम संस्था के सदस्य हेमंत मूणत, ओमप्रकाश अग्रवाल, प्रशांत व्यास, भगवान ढलवानी सहित अनेक समाजसेवी उपस्थित रहे। नेत्रम संस्था द्वारा दिवंगत के परिजनों को प्रशस्ति पत्र भेंट कर उनकी उदारता एवं सहृदयता का सम्मान किया गया।

# किराना दुकान से तेल का डिब्बा चोरी किया, रतलाम में महिला के साथ आया युवक, बातों में उलझाकर सामान उठाया

प्रसारण न्यूज ◆ रतलाम

शहर में एक किराना दुकान पर किराना सामान लेने आए महिला-पुरुष दुकान पर काम करने वाले लड़के को बातों में उलझा कर तेल का डिब्बा चुरा ले गए। दुकान मालिक ने जब स्टॉक मिलाया तो तेल का एक डिब्बा कम मिला। दुकान में लगा सीसीटीवी का फुटेज देखा तो उसमें डिब्बा चुराते हुए महिला के साथ आया युवक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया।

घटना शहर के थाना औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत गणेश नगर स्थित सुंदर ट्रेडर्स एवं जनरल स्टोर्स बालाजी मार्केट में ती है। दुकान संचालक नरेंद्र शर्मा ने शनिवार रात थाना औद्योगिक क्षेत्र पर शिकायत की है। नरेंद्र शर्मा ने बताया कि 15 जनवरी की रात 7.45 बजे मेरी दुकान पर एक महिला तथा उसके साथ आए एक युवक द्वारा तेल का एक डिब्बा एवं अन्य घरेलू उपयोग की सामग्री चोरी की गई।

घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मेरे द्वारा तेल के डिब्बों का स्टॉक चैक किया तो एक डिब्बा कम पाया। सीसीटीवी में युवक द्वारा तेल का डिब्बा चुराते कैद होने पर थाने पर शिकायत की है।

### महिला के साथ में आया था

दुकान में महिला व युवक साथ में आए थे। युवक ने मुंह पर रुमाल बांध रखा था। पहले दुकान में से चावल, हल्दी व धनिया व अन्य करीब 300 रुपए का सामान खरीदा। दुकान में काम करने वाले युवक से सामान मंगवाते रहे। पीछे से महिला के साथ आया युवक ने तेल की शीशी व अन्य सामान चुराकर झोले में रख लिया। सामान उठाकर जाते समय महिला ने दुकान के कर्मचारी को हाउस कीपिंग का सामान लाने को कहा। कर्मचारी पीछे की तरफ सामान लेने गया। इतने में दुकान के आगे की तरफ रखे तेल के डिब्बों से एक डिब्बा उठाकर युवक बाहर निकल गया। कुछ देर में महिला भी वहां से निकल गई। दुकान से करीब 2500 रुपए का सामान चोरी कर ले गया। पुलिस सीसीटीवी के आधार पर महिला व युवक की तलाश में जुटी है।

# वृद्धाश्रम में संगीतमय सुंदरकांड के साथ शुरू हुआ आनंद उत्सव

प्रसारण न्यूज ◆ रतलाम

जिले में आनंद विभाग द्वारा वृद्धाश्रम में आनंद उत्सव का उल्लासपूर्ण आयोजन किया गयाआनंद संस्थान की जिला समन्वयक सीमा अग्निहोत्री ने बताया कि आश्रम वासियों को अपने बचपन में वापस लौटने के आनंद उत्सव का इंतजार था। उनकी रुचि को ध्यान में रखते हुए सर्वप्रथम सुंदरकांड रखा गया।आश्रम के वृद्ध महिला-पुरुषों ने गाकर, नाचकर उत्साहपूर्वक सहभागिता कर उत्सव को जीवंत बना दिया। हँसी-खुशी, आपसी अपनत्व और सामूहिक सहभागिता के साथ आनंद का वातावरण देखने को मिला। वृद्धाश्रम के 19 महिला पुरुषों की देखभाल करने वाली गायत्री बाई ने बताया कि यह आयोजन जन्मदिन के उपहार जैसा था। पावागढ़ की रहने वालीअम्मा ने जब गरबा गाने का कहा तो सभी महिलाएं झूम कर नाच उठीं।

### वृद्धों के खिले चेहरे तो कोई झूम उठा

कार्यक्रम मेंआनंद विभाग के मास्टर ट्रेनर मधु परिहार, गिरीश सारस्वत, आनंद सहयोगी सुरेन्द्र अग्निहोत्री, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक रत्नेश विजयवर्गीय, उपेंद्र रंजन वैराटी, मंजुला माहेश्वरी पूनम ढलवानी विशेष रूप से उपस्थित रहे। रेड क्रॉस के डायरेक्टर हेमंत मूणत ने सभी के चेहरों पर आनंद लाने के लिए आनंद विभाग का आभार व्यक्त किया।

# डॉ. ईश्वर बोराना ने चौमुखा महादेव के 12 महीने अभिषेक का लिया संकल्प

**रतलाम।** श्री सनातन धर्म सभा एवं महारुद्र यज्ञ समिति रतलाम द्वारा बागडो का वास स्थित अगर जी के मंदिर में स्थापित प्राचीन श्री चौमुखा महादेव के दैनिक यजमान अभिषेक योजना से कुछ शिव भक्त इतने प्रेरित व प्रभावित हैं कि उन्होंने 12 महीने में प्रति माह की शिवरात्रि पर पर अभिषेक करने का संकल्प लिया है। यह संकल्प युवा भाजपा नेता डॉ. ईश्वर बोराणा अभिभाषक द्वारा लिया गया। इस कड़ी में कल शिवरात्रि के अवसर पर उनके द्वारा प्रथम अभिषेक कर धर्म लाभ लिया।

इस अभिषेक में अवसर पर सेजावता के पूर्व सरपंच शंकरलाल मालवीय सहभागी बने। उक्त जानकारी देते हुए अभिषेक योजना के संयोजक जुगल पंड्या ने बताया कि अभिषेककर पुण्य लाभ लेने वाले भक्तों की संख्या बढ़ती जा रही है तथा लोग स्वतः आगे आकर पंजीयन कर रहे हैं। श्री चौमुखा महादेव का पंडित त्रिभुवनेश जी पंड्या द्वारा कराए गए इस अभिषेक के अवसर पर समिति सदस्य व अन्य भक्तगण उपस्थित थे।

# हेल्पलाइन पर शिकायत करने पर मारा चाकू, आरोपी गिरफ्तार

रतलाम। स्टेशन रोड थाना क्षेत्र अंतर्गत बीती रात मामूली बात पर फिर रात में चाकू बाजी की घटना हुई है। घटना में एक युवक घायल हुआ है। जिसका इलाज जिला चिकित्सालय में जारी है, पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फरियादी जावेद की साली ने सीएम हेल्पलाइन पर आरोपी के विरुद्ध अतिक्रमण की शिकायत की हुई थी। शिकायत का बदला लेने के लिए शनिवार रात को हाथी खाना क्षेत्र में आरोपी अफजल ने रिक्शा चलाकर आ रहा जावेद पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया।

घायल जावेद को परिजन जिला चिकित्सालय ले गए, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

# पिपलौदा में जिला स्तरीय ओलंपियाड परीक्षा संपन्न

## 384 विद्यार्थियों ने लिया द्वितीय चरण की परीक्षा में भाग

प्रसारण न्यूज ◆ पिपलौदा

जिला स्तरीय ओलंपियाड परीक्षा (द्वितीय चरण) का सफल आयोजन 16 एवं 17 जनवरी को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पिपलौदा में किया गया। परीक्षा राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल के निर्देशानुसार कलेक्टर मिशा सिंह एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी वैशाली जैन के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में जिलेभर से कुल 384 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल से प्राप्त प्रश्नपत्रों के उत्तर विद्यार्थियों द्वारा ओएमआर शीट पर अंकित किए गए। परीक्षा का आयोजन शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में किया गया। परीक्षा के दौरान डीपीसी राजेश झा, एपीसी मुकेश कुमार राठौर एवं बीआरसीसी प्रदीप सिंह बेस द्वारा परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया गया तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

परीक्षा में शामिल विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं पालकों ने राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देशानुसार की गई भोजन व्यवस्था की सराहना की। सभी ने सुस्वादिष्ट भोजन का आनंद लेकर प्रसन्नता व्यक्त की। परीक्षा उपरांत सभी सहभागी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए, जिससे विद्यार्थियों में उत्साह एवं आत्मविश्वास देखने को मिला।

**स्टाफ का सराहनीय योगदान-** परीक्षा के सफल आयोजन में परीक्षा केंद्र अध्यक्ष रामलाल मईड़ा सहित विनीता खड़िया, रामदयाल अंजना, बलराम चौहान, जनशिक्षक अंबाराम बोस, मोहन सिंह सोलंकी, नितिन दुबे, भोपाल सिंह राठौड़, पवन पटवा, लोकेंद्र सिंह देवड़ा, मुकेश कुमार राठौड़, मोहम्मद शाहिद खान, घनश्याम बैरागी, सोमेश बारगल, हरिशंकर रावल, बसंतीलाल पाटीदार, रामप्रकाश पाटीदार, अशोक पाटीदार एवं समस्त स्टाफ का उल्लेखनीय सहयोग रहा। जिला स्तरीय ओलंपियाड परीक्षा के सफल आयोजन से शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहन मिला है।

**Name Change Notice**

IN MY MARK SHEET MY NAME WAS **ANTIMBALA KARNAVAT** AS I HAVE CORRECTED MY NAME MY NEW NAME IS **ANTIM.**
I WILL BE KNOWN BY NEW NAME **ANTIM** W/O **DEVENDRA.**

**ADDRESS- WARD NO 11, BANI KHEDI, GRAAM BANI KHEDI, JAORA, RATLAM, (MP)**

**Name Change Notice**

IN MY MARK SHEET MY NAME WAS **DEVENDERA LODA** AS I HAVE CORRECTED MY NAME MY NEW NAME IS **DEVENDRA.**
I WILL BE KNOWN BY NEW NAME **DEVENDRA** S/O **SHANTILAL.**

**ADDRESS- WARD NO 11, BANI KHEDI, GRAAM BANI KHEDI, JAORA, RATLAM, (MP)**

# टाटा मुंबई मैराथन 2026 में मुंबई के साथ दौड़ी पश्चिम रेलवे

## 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में : 150 सदस्यीय पश्चिम रेलवे टीम ने फिटनेस, रेल सेफ्टी एवं नागरिक कर्तव्यों का दिया संदेश

प्रसारण न्यूज ◆ रतलाम

पश्चिम रेलवे ने आज मुंबई में आयोजित टाटा मुंबई मैराथन 2026 में सहभागिता कर उत्साहपूर्ण एवं उद्देश्यपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई तथा फिटनेस, अनुशासन और सुरक्षा जागरूकता का सशक्त संदेश दिया। पश्चिम रेलवे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से युक्त 150 सदस्यीय टीम ने 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के सम्मान एवं उत्सव के रूप में इस मैराथन में भाग लिया। यह सहभागिता राष्ट्रीय गौरव, सामूहिक अनुशासन तथा दैनिक जीवन में स्वस्थ जीवनशैली के महत्व का प्रतीक रही।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने पश्चिम रेलवे की टीम का नेतृत्व किया। इस दौरान कई वरिष्ठ रेल अधिकारियों ने भी मैराथन में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे फिटनेस, संरक्षा तथा जनसंपर्क के प्रति नेतृत्व की प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से प्रदर्शित हुई। इस टीम में स्टेशन मास्टर, टिकट जांच कर्मचारी, ट्रेन प्रबंधक, कोचिंग डिपो कर्मचारी तथा ट्रैकमैन जैसी प्रमुख फ्रंटलाइन एवं परिचालन श्रेणियों के कर्मचारी शामिल थे, जिन्होंने आधिकारिक यूनिफॉर्म में भाग लेकर आम जनता को सशक्त सामाजिक एवं सुरक्षा संदेश दिया।

टीम ने रचनात्मक ब्रांडिंग एवं जनसंपर्क सामग्री के माध्यम से प्रभावशाली जागरूकता संदेश प्रदर्शित किए, जिनमें रेल सुरक्षा के लिए दौड़, पटरियों का सम्मान करें, पटरी से दूर रहें - सुरक्षित रहें जैसे नारे प्रमुख रूप से शामिल थे। इसके साथ ही मुंबई की लाइफलाइन, पश्चिम रेलवे परवाह करता है तथा मुंबई दौड़ती है क्योंकि हम दौड़ते हैं, जैसे पश्चिम रेलवे के ब्रांड संदेश भी प्रदर्शित किए गए।

इस सहभागिता की एक विशिष्ट विशेषता यह रही कि टीम के 50 सदस्यों ने अपनी आधिकारिक युनिफार्म वर्दी में दौड़ लगाई, जिससे यह सशक्त संदेश गया कि शारीरिक फिटनेस व्यावसायिक उत्कृष्टता और व्यक्तिगत कल्याण का अभिन्न अंग है। यह प्रतीकात्मक सहभागिता माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परिकल्पित फिट इंडिया मूवमेंट की भावना के अनुरूप रही तथा इस संदेश को और अधिक सुदृढ़ किया कि शारीरिक तंदुरुस्ती को सभी व्यवसायों और आयु वर्गों में दैनिक जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

पश्चिम रेलवे की यह सहभागिता केवल एक दौड़ तक सीमित न होकर कहीं अधिक व्यापक महत्व की रही। इससे संगठन की इस सोच को बल मिला कि शारीरिक फिटनेस जीवन की परिस्थितियों या पेशे से परे हर व्यक्ति के लिए आवश्यक है तथा एक स्वस्थ कार्यबल ही सुरक्षित, अधिक दक्ष और विश्वसनीय सार्वजनिक सेवा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अनुशासित एवं वर्दीधारी टीम की सशक्त उपस्थिति ने जनसंपर्क को भी सुदृढ़ किया तथा सुरक्षा के प्रति जागरूकता और जिम्मेदार नागरिक व्यवहार के महत्व को और अधिक प्रभावी ढंग से रेखांकित किया।

मैराथन के इस मंच का उपयोग पश्चिम रेलवे की ब्रांडिंग एवं सुरक्षा जागरूकता को और अधिक प्रभावी ढंग से बढ़ावा देने के लिए भी किया गया। इसके अंतर्गत बैनर, प्लाकार्ड, हैंड पोस्टर, इत्यादि पर आधारित दृश्य तत्वों के माध्यम से संदेश प्रसारित किए गए। इसके साथ ही सुव्यवस्थित सोशल मीडिया प्रचार का सहारा लेकर इस अभियान की पहुंच को आयोजन स्थल से आगे बढ़ाकर व्यापक जनसमुदाय तक विस्तार दिया गया। पश्चिम रेलवे इस आयोजन में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना करती है, जिन्होंने गर्व और उद्देश्यपूर्ण भावना के साथ संगठन का प्रतिनिधित्व किया। पश्चिम रेलवे रेल सेफ्टी, जन-जागरूकता, फिटनेस तथा राष्ट्र निर्माण के मूल्यों को बढ़ावा देने हेतु निरंतर एवं सार्थक जनसंपर्क पहलों के माध्यम से अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराती है।

(बाएं) पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता वरिष्ठ अधिकारियों के साथ टाटा मुंबई मैराथन 2026 में सहभागिता करते हुए। (दाएं) पश्चिम रेलवे के कर्मचारी दल अपनी यूनीफॉर्म में मैराथन के दौरान सुरक्षा एवं सामाजिक संदेशों का प्रभावी प्रसार करते हुए।

# सफलता की कहानी : किसान दशरथ पाटीदार की जैविक केंचुआ खाद से सालाना दो लाख की कमाई

प्रसारण न्यूज ◆ रतलाम

*ग्राम रसूलपुर मुंडली के प्रगतिशील किसान श्री दशरथ पाटीदार जो की कोरोना काल के पश्चात अपने परिवार के स्वास्थ्य के बारे में काफी परेशान थे। परिवार से विचार विमर्श कर जैविक खेती की ओर अग्रसर हुए और आज एक नए आयाम पर हैं। स्वयं केंचुआ खाद बना कर अपने खेत मे उपयोग कर जैविक खेती कर रहे हैं और आसपास के किसानों को केंचुआ खाद का विक्रय कर प्रतिवर्ष दो लाख रुपये केंचुआ खाद से ही आय अर्जित कर रहे हैं।*

किसान श्री दशरथ पाटीदार ने बताया कि सोयाबीन, लहसुन व अन्य फसलों का उत्पादन लगातार कम हुआ तो हमने 2021 में कृषि विज्ञान केंद्र कालूखेड़ा में मिट्टी की जांच करवाई जिसमें सामने आया कि हमारे खेत की उपजाऊ क्षमता कमजोर हो गई, जिसमें मुख्य तौर पर जीवांश कार्बनिक पदार्थ की मात्रा एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी है। तब हमने कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र, कालूखेड़ा एवं उद्यानिकी विभाग की अनेक योजनाओं का लाभ लेकर केचुआ खाद बनाना शुरू किया।इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्र से जैविक खेती का 25 दिवस का प्रशिक्षण प्राप्त किया और अधिकारियों के मार्गदर्शन में जैविक खेती की अवधारणा की ओर अग्रसर हुए। सबसे पहले केंचुए खाद का उत्पादन केवल एक बेड से शुरू किया, उसका मैंने खेतों में प्रयोग किया।

उसके परिणाम मिले और आज देखते ही देखते केंचुआ खाद की डिमांड हमारे क्षेत्र के आसपास के किसानों ने भी की और आज खेत की जरूरत के बाद लगभग दो लाख रुपए का केंचुआ खाद सालाना बेच देते हैं। कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि विभाग एवं उद्यान की विभाग के अधिकारियों द्वारा सीजन शुरू होने से पूर्व खेती से संबंधित समस्याओं से अवगत होकर उनका निदान संबंधित उपाय बताते हैं और उन्हीं के अनुरूप हम खेती करते हैं। नई-नई फसलों की उन्नतशील प्रजातियों का ही चयन कर फसल उत्पादन लिया जाता है।

अधिकारियों के मार्गदर्शन में खरीफ़ में सोयाबीन की फसल का रकबा कम कर मूंगफली और मक्का लिया। जिससे मुझे सोयाबीन की अपेक्षाकृत ज्यादा लाभ मिला। वर्तमान में मेरे खेत में गेहूं, जौ एवं बेड पर हल्दी चना टमाटर मिर्च अदरक धनिया लहसुन आदि लगा रखा है।

यह खेती हमने पहली बार कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारियों के मार्गदर्शन में कर रहे हैं। अनुमान है कि गेहूं से अच्छा लाभ रहेगा। मैंने हल्दी को घर पर ही पाउडर तैयार कर लगभग 200 रुपए प्रति किलो पाउडर बेचा, जिससे अतिरिक्त आमदनी प्राप्त हुई।

मैं जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु केंचुआ खाद उत्पादन को और अधिक बढ़ाऊंगा और आसपास के किसानों को जैविक खेती के लिए प्रेरित करूंगा।

# दिलावर के घर सस्पेंड एसआई...बेटे के नाम आर्मी आई-कार्ड मिला

## 10 करोड़ की एमडी ड्रग्स पकड़ी जाने के बाद दोनों पत्नियां, बहन, बहू और बच्चे भी जेल गए

प्रसारण न्यूज ◆ रतलाम

जिले के चिकलाना में एमडी ड्रग फैक्ट्री के भंडाफोड़ के बाद चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। जिस कमरे में अवैध रूप से एमडी ड्रग तैयार की जा रही थी, वहां से दो साल पहले सस्पेंड किए गए सब-इंस्पेक्टर रऊफ खान के नाम का पुलिस आईडी कार्ड मिला है। इसके अलावा दिलावर खान के बेटे अजहर के नाम से इंडियन आर्मी की जम्मू एंड कश्मीर राइफल का आईडी कार्ड भी बरामद हुआ है।

इन दस्तावेजों के मिलने के बाद पुलिस ने सस्पेंड एसआई समेत पूरे नेटवर्क की भूमिका की जांच का दायरा बढ़ा दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी अमित कुमार ने विशेष जांच टीम (SIT) का गठन किया है। कोर्ट ने सरगना दिलावर खान की दोनों पत्नियों फरीदा व शायना (25), बहन मुमताज व बहू फिजा के अलावा एक अन्य को ज्यूडिशियल रिमांड पर रतलाम सर्किल जेल भेज दिया है।

जेल जाने वालों में दिलावर की दूसरी पत्नी का एक साल का बेटा और 8 माह का पोता भी शामिल है। दिलावर की बेटी बखमीना की 8 साल की बेटी को परिजन जावरा कोर्ट से अपने साथ ले गए।

रऊफ खान पर दो साल पहले अवैध गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप लगे थे, जिसकी लगातार शिकायतें पुलिस अधिकारियों को मिल रही थीं। इन शिकायतों के आधार पर 5 जनवरी 2024 को तत्कालीन एसपी राहुल कुमार लोढ़ा के अवकाश पर होने के दौरान उस समय के प्रभारी एसपी एवं वर्तमान एएसपी राकेश खाखा ने रऊफ खान को सस्पेंड कर दिया था।

### बेटे ने अपने आपको बताया लांस नायक

दिलावर के घर से इंडियन आर्मी जम्मू एंड काश्मीर राइफल का एक आईडी कार्ड भी मिला है। जिस पर दिलावर खान के बेटे मोहम्मद अजहर का नाम व आर्मी की यूनिफॉर्म पहने फोटो लगा है। आईडी कार्ड में अजहर ने प्रवेश तिथि 20 फरवरी 2021 व सर्विस नंबर 153021 लिखा है। इसके साथ अपनी रैंक लांस नायक की बता रखी है। पुलिस इस कार्ड को फर्जी बता रही है। वहीं इंडियन आर्मी के नाम का दुरुपयोग करने को लेकर संबंधित विभागों को जांच के लिए लिखा जा रहा है।

### याकूब ने दिया एक करोड़ को ऑफर

यह भी जानकारी सामने आई है कि जब पुलिस ने दिलावर खान के मकान में दबिश दी तो पहले तो महिलाओं ने झूमा झटकी की कोशिश की। पुलिस ने फिर सख्ती दिखाई। जब घर के सभी सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्त में लिया तो दिलावर का दामाद याकूब खान व उसकी बेटी याकूब की पत्नी बखमीना ने पुलिस से जो भी हो देख लेने की बात कही। याकूब ने 50 लाख तक का ऑफर दिया। याकूब आखिर तक बोलता रहा कि मुझे छोड़ दो मैं 1 सीआर याने 1 करोड़ दूंगा। हालांकि, पुलिस को जांच के दौरान घर से किसी प्रकार की नकदी नहीं मिली है। शनिवार रात दिलावर खान को लेकर पुलिस उसके घर चिकलाना भी पहुंची।

### जमीनों से जुड़ी 200 से 300 रजिस्ट्रियां मिलीं

घर में से सर्चिंग में पुलिस को जमीनों से जुड़ी 200 से 300 रजिस्ट्रियां व अनुबंध पत्र मिले हैं। पुलिस इनकी भी जांच कर रही है कि आखिर किस-किस के नाम है। यहां तक 25 साल की पत्नी को लेकर भी पुलिस को संदेह है कि आखिर बेटी से भी कम उम्र की लड़की से शादी क्यों की। पुलिस को शंका है कि इसके पीछे भी कोई ना कोई कारण रहा होगा। बता दें कि दिलावर खान की उम्र 65 साल है। पहले से 62 साल की पत्नी है, जबकि दूसरी पत्नी 25 साल की है और एक साल का बेटा है।

### पिपलौदा क्षेत्र में 1000 बीघा जमीन

दिलावर खान जमीनों से जुड़ा काम भी करता है। गांव से सरपंच प्रतिनिधि गड्डू सिंह चंद्रावत भी इस बात को बता चुके हैं कि दिलावर का परिवार डरा-धमकाकर जमीन हड़पने का काम कर ब्याज पर भी रुपए चला कर 10 से 20 गुना वसूलता है। गांव में इनके परिवार के 8 से 10 मकान हैं। यह भी जानकारी सामने आई कि पिपलौदा तहसील में इसकी अलग-अलग लोगों के साथ साझेदारी में 1000 बीघा जमीन है। दिलावर के घर पर कई रसूखदार लोगों का भी आना-जाना लगा रहता था। कुछ सफेदपोशों का भी संरक्षण प्राप्त है। यूपी के नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद का यह करीबी बताता है।

### एसपी ने नेटवर्क की जांच के लिए एसआईटी बनाई

रतलाम एसपी अमित कुमार ने इस पूरे नेटवर्क की जांच को लेकर एसआईटी बना दी है। एसआईटी में एएसपी रतलाम ग्रामीण विवेक कुमार लाल, जावरा एसडीओपी संदीप मालवीय, कालूखेड़ा थाना प्रभारी मोहन मौर्य, रतलाम औद्योगिक थाना प्रभारी सत्येंद्र रघुवंशी, साइबर सेल के जीवन बारिया, हेड कॉन्स्टेबल दिनेश पंड्या, साइबर सेल के हेड कॉन्स्टेबल विपुल भावसार, थाना कालूखेड़ा के कॉन्स्टेबल मनोहर गायरी, पवन जाट, बिलपांक थाने के हेड कॉन्स्टेबल राहुल जाट. रिंगनोद थाने के कॉन्स्टेबल हर्ष जगावत को शामिल किया है। एएसपी रतलाम ग्रामीण विवेक कुमार लाल ने बताया कि 16 में से 11 आरोपियों का पुलिस रिमांड मिला है। 5 को ज्यूडिशियल रिमांड पर जेल भेज दिया है।

# सांसद/विधायक निधि के निर्माण कार्यों की स्वीकृति एवं भुगतान त्वरित गति से करें

**◆ सभी टोल बूथ पर एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करें ◆ जिला विकास समन्वय, सतर्कता एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में सांसद सुधीर गुप्ता ने दिए निर्देश**

प्रसारण न्यूज ◆ रतलाम

सांसद सुधीर गुप्ता की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक कलेक्टर सभागृह में आयोजित की गई। बैठक में जिले की विकास योजनाओं पर चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिये गये। बैठक में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह द्वारा जिले की प्रगति की जानकारी दी गई। बैठक में सांसद श्री गुप्ता ने विगत बैठक के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा करते हुए ई ई जल संसाधन को गाँधी सागर बांध से रतलाम जिले की योजना अनुसार पानी लेने के लिए विगत बैठक में लिए गये निर्णय अनुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में ई ई लोक निर्माण विभाग एमपी आरडीसी पीआईयू को जिले में सड़कों का निर्माण एवं संधारण सरकार के मापदंड अनुसार करने के निर्देश दिए।

रोड़ से संबंधित विभाग रोड़ कांग्रेस के मानक अनुसार सडक निर्माण करवाएं। रोड़ किनारे, विद्युत पोल शिफ्टिंग, अतिक्रमण हटाने एवं पौधारोपण करने का काम प्राथमिकता से करें। सांसद/ विधायक निधि के निर्माण कार्यो की स्वीकृति एवं भुगतान त्वरित गति से करने के निर्देश दिये। बैठक में सांसद श्री गुप्ता ने जिले के टोल प्लाजा की वसूली एवं दायित्व की सूची बनाने के निर्देश दिए। सभी टोल प्लाजा पर स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ एम्बुलेंस की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाये। राहवीर योजना का व्यापक प्रचार प्रसार करे। योजना मे शासन के नियमानुसार राहवीर को प्रोत्साहन राशि का भुगतान करवायें।

बैठक में कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान उप संचालक कृषि को निर्देश दिए कि खेती से संबंधित विभाग आपसी समन्वय से किसानों के हित में योजनाओं का क्रियान्वयन करें। जैविक खेती को बढावा देने के लिए किसानों को प्रेरित करे एवं जैविक उत्पादों के विक्रय के लिए बाजार किसानों को उपलब्ध करवायें। किसानों के खेत की मिट्टी परीक्षण कर किसानों को आवश्यकता अनुसार खाद एवं पोषक तत्वों का उपयोग करने के लिए कृषि विस्तार अधिकारी को किसानो को सलाह देने हेतु निर्देशित करें। प्रति सप्ताह किसान संगोष्ठी का आयोजन करें। भारत सरकार द्वारा चिन्हित दुकानों/संस्थाओं पर मिट्टी परीक्षण के लिए युवाओं को प्रशिक्षण दे। शासन द्वारा निर्धारित भौतिक लक्ष्य के साथ ही हर किसान के खेत की मिट्टी का परीक्षण करवायें। वर्ष 2026 को सरकार द्वारा कृषि वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। एक ग्राम पंचायत मे कम से कम 30 किसानों के खेत की मिट्टी का परीक्षण अनिवार्यतः करवाएं। किसानों के खेत की मिट्टी के स्वास्थ्य परीक्षण के अनुसार खाद एवं पोषक तत्वों के उपयोग की सलाह दे एवं परिणाम सहित अगली बैठक में प्रस्तुत करे। अधिक से अधिक किसानों को जोड़कर जैविक खेती का व्यापक प्रचार प्रसार करें। जिले में हर ब्लॉक में एक जैविक गांव बनाएं। रतलाम जिले में उद्यानिकी के क्षेत्र में ज्यादा संभावना है, किसानों को उन्नत तकनीकों का प्रशिक्षण देकर उद्यानिकी के क्षेत्र में जैविक खेती करने के लिए प्रेरित करें।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान सी एम एच ओ को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना अंतर्गत ठीक हुए बच्चों की कहानी के माध्यम से योजना को प्रचारित करें, ताकि अधिक से अधिक व्यक्तियों तक योजना की जानकारी पहुंच सके एवं जरूरतमंद व्यक्ति योजना का लाभ ले सके। अंधत्व निवारण कार्यक्रम का प्रचार करे।

बैठक में जल निगम द्वारा मापदण्डों के अनुरूप कार्य नहीं किये जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए जल निगम की पेयजल पाइपलाइन डालते समय खोदी गई सड़क को पुनः मरम्मत करवाने के निर्देश दिये। जल निगम के काम की जांच करवाने के लिए दल गठित कर जांच दल द्वारा प्रत्येक गांव में डेमेज की गई बी एस एन एल की केबल, सड़क की नुकसानी की जांच करवा कर रिपोर्ट सरकार को प्रेषित करने के निर्देश दिये।

बैठक में मेडिकल कॉलेज की डीन के अनुपस्थित रहने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। बैठक में ग्रामीण विकास विभाग, योजना एवं सांख्यिकी, विभाग, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग महिला एवं बाल विकास विभाग, जल संसाधन विभाग, पशुपालन विभाग, उद्यानिकी विभाग, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली विभाग की योजनाओं की जिले में प्रगति की समीक्षा की गई।

## महाराष्ट्र समाज ने किया वरिष्ठजनों का सम्मान

**रतलाम।** मकर संक्रांति उत्सव के अंतर्गत वरिष्ठजनों का शॉल श्रीफल एवं अभिनंदन पत्र से महाराष्ट्र समाज द्वारा सम्मान गत दिवस स्टेशन रोड़ स्थित समाज भवन में किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठजनों द्वारा समाजजनों को तिलगुड का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर शारदा महिला मंडल द्वारा हल्दी कुमकुम का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इनका हुआ सम्मान शरद चंद्र कानडे, निर्मला कानड़े, सुनीता पलटनवाले, विजया तबकडे, दत्तात्रय उज्जैनकर, शालिनी उज्जैनकर, स्मिता जोशी, प्रभाकर दीक्षित, मोरेश्वर सप्रे, अपर्णा सर्पे, गोविन्द वेशपायन,(मंदसौर) बृहन्महाराष्ट्र मंडल के राष्ट्रीय कार्यकरिणी सदस्य रमेश चंद्र देव, मनोहर घोड़पकर, (बदनावर) का सम्मान हुआ। कार्यक्रम में वरिष्ठजनों का स्वागत महाराष्ट्र समाज अध्यक्ष मिलिंद करंदीकर, सचिव अरविंद डबीर, कोषाध्यक्ष मनीष जोशी, वीरेन्द्र वॉफगावकर, सुनील पुरंदरे, सूर्यकांत जोशी, विश्वास हरदास, राजेश गडकरी, विवेक राणे, संजीव भोरकर,भूषण बर्वे, वीरेन्द्र कुलकर्णी,शारदा महिला मंडल अध्यक्ष हर्षा काले, उपाध्यक्ष उत्तरा जोशी, कोषाध्यक्ष सोनाली हर्देकर, स्नेहा पंडित, कल्पना पोटाडे, सीमा वाफगांवकर, सुनीता पुरंदरे, वैशाली बोरगांवकर, लता बक्षी, शिल्पा वाल्के आदि ने किया। कार्यक्रम का संचालन वैशाली बोरगांवकर ने किया व आभार महाराष्ट्र समाज अध्यक्ष मिलिंद करंदीकर ने माना।

# भागवत कथा से शांति, सुख, परम आनंद, कीर्ति और सौभाग्य की वृद्धि के साथ मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है : बाल विदुषी प्रिया जी वैष्णव

## नारायणगढ़ में सात दिवसीय भागवत कथा आयोजन की पूर्णाहुति

प्रसारण न्यूज ◆ आलोट

भागवत कथा सुनने और सुनाने से मन शुद्ध होता है, जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट होते हैं, जीवन में सुख-शांति, समृद्धि आती है और आध्यात्मिक विकास होता है, जिससे अंततः मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

उक्त वक्तव्य आलोट तहसील के नारायणगढ़ पंचायत में भागवत कथा के अंतर्गत पूर्णाहुति के दौरान भागवत प्रवक्ता परम बाल विदुषी नन्ही प्रियाजी वैष्णव ने कहे। इसी दौरान पूर्णाहुति के अवसर पर राष्ट्रीय हिन्दू महासभा और रामसेना की प्रदेश अध्यक्ष एवं एडवोकेट नीलम सोलंकी ने भागवत प्रवक्ता परम बाल विदुषी प्रिया जी वैष्णव का स्वागत अभीनंदन कर आशीर्वाद लेकर संत स्वयं ईश्वर का रूप है इनके दर्शन मात्र से ही कल्याण संभव होता है। मन की शुद्धि और संदेहों का नाश, अहंकार, मोह, क्रोध, लालच जैसे दुर्गुणों से मुक्ति तथा आध्यात्मिक विकास और आत्मिक ज्ञान परिवार में खुशियों का आगमन और नकारात्मकता का अंत भी भागवत कथा से ही संभव होना बताया। प्रजापति परिवार द्वारा आयोजित इस आध्यात्मिक भव्य सत्संग उत्सव में कलाबाई प्रजापति के मुख्य यजमान के रूप में क्षेत्र की जनता ने रात्रि में नानी बाई के मायरे का भी लाभ लिया।

ग्राम नारायणगढ़, जलोदिया, बर्डिया राठौर, रामगढ, शीशाखेड़ी, लोगनी, भोई का खेड़ा, खजूरीदेवड़ा, विक्रमगढ़ और आलोट की हजारों धर्म प्रेमी जनता ने सत्संग का लाभ उठाया। सामुहिक मधूर आरती उपरांत समस्त धर्म प्रेमी जनसमुदाय ने अन्नपूर्णा प्रसादम लिया। राष्ट्रीय हिन्दू महासभा और रामसेना की प्रदेश अध्यक्ष एवं एडवोकेट नीलम सोलंकी के साथ एडवोकेट चंद्र पाल सिंह सिसोदिया, बीएससी जितेन्द्र सिंह सोलंकी, रामचन्द्र प्रजापती, गोपाल प्रजापती, राकेश प्रजापती, मनोज राठौड़, राजेश प्रजापती, शिवलाल प्रजापति, सुरेश प्रजापति, जाकिर भाई, बालू सिंह, नारायण सिंह, रतनलाल, अन्दरलाल, शिवनारायण प्रजापती, गोकुल सिंह जलोदिया, भगवान सिंह जलोदिया, जीवन सिंह शिशाखेड़ी, भंवर सिंह सोलंकी विक्रमगढ़, रतनलाल हाड़ा, जसवंत सिंह, रवि, राहुल कुंवाड़िया सहित अनेक ग्रामवासियो ने कथावाचक प्रियाजी का अभिनंदन किया।

नारायणगढ़ बजरंग दल ईकाई, राष्ट्रीय हिन्दू महासभा और रामसेना संगठन, उपस्थित अन्य सामाजिक संगठनों व जनप्रतिनिधियों ने भी कथावाचक प्रियाजी का भव्य बहुमान के साथ साथ यजमान कलाबाई प्रजापति का भी सम्मान किया।

# श्री सांई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में जोश, जुनून और उत्साह के साथ खेल एवं सांस्कृतिक प्रतिभा का परिचय दिया विद्यार्थियों ने

**◆ दिवसीय स्पेक्ट्रा 2026 के अंतर्गत खेल महोत्सव में हुई विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां**
**◆ खेलों के माध्यम से उत्पन्न होता है स्वास्थ्य और आत्मविश्वास - डॉक्टर अश्वनी कुमार उपाध्याय**

प्रसारण न्यूज ◆ रतलाम

श्री साई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रतलाम में वार्षिक खेल महोत्सव स्पेक्ट्रा 2026 का सात दिवसीय आयोजन का भाव शुभारंभ 9 जनवरी को गरिमामयी आयोजन में हुआ, वही समापन 16 जनवरी को किया गया। खेल महोत्सव में जोश, जुनून और उत्साह के साथ विद्यार्थियों ने खेल प्रतिभा का परिचय दिया। वहीं उम्दा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी को अभिभूत हुए किया।

शुभारंभ समारोह के मुख्य अतिथि रतलाम (मध्य प्रदेश) निवासी अंतर्राष्ट्रीय पैरा तैराक अब्दुल कादिर इंदौरी थे। समापन समारोह के मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक डॉक्टर अश्वनी कुमार उपाध्याय रहे। दीप प्रज्जवलित कर पुरस्कार वितरण समारोह की शुरुआत की।

7 दिवसीय स्पेक्ट्रा 2026 के अंतर्गत विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। खेल महोत्सव में विद्यार्थियों ने पूरे जोश, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ सहभागिता की। महोत्सव के दौरान एथलेटिक्स, टीम गेम्स, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अन्य खेल गतिविधियों में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। महाविद्यालय परिसर खेल उत्सव के रंगों से सराबोर रहा।

### खेल शारीरिक विकास के साथ ही मानसिक दृढ़ता का भी करता है विकास - अब्दुल कादिर इंदौरी

अब्दुल कादिर इंदौरी ने दुबई में आयोजित एशियाई युवा पैरा गेम्स 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व कर प्रदेश एवं जिले का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उद्घाटन समारोह के दौरान उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम है, बल्कि यह मानसिक दृढ़ता, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता को भी विकसित करता है।

### हुआ समापन समारोह

समापन समारोह के मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक डॉ. अश्वनी कुमार उपाध्याय तथा डॉ. अर्चना उपाध्याय, ईएनटी सर्जन एवं वेस्टर्न रेलवे वूमेन वेलफेयर समिति अध्यक्ष मौजूद रहे। समापन समारोह में मुख्य अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। पुरस्कार मिलते ही विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे। संपूर्ण खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए बी.एस.सी संकाय को स्पेक्ट्रा 2026 ट्रॉफी प्रदान की गई। डीआरएम डॉ. उपाध्याय ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण आधार हैं और ऐसे आयोजनों से युवा पीढ़ी में अनुशासन, समर्पण एवं सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है खेलों के माध्यम से स्वास्थ्य, आत्म-विश्वास भी उत्पन्न होता है।

### इन सबका सराहनीय सहयोग

संस्था प्रबंधन, खेल समिति, शिक्षकों एवं सभी प्रतिभागियों के सहयोग से स्पेक्ट्रा 2026 का सफल आयोजन हुआ। यह खेल महोत्सव न केवल विद्यार्थियों की खेल प्रतिभा को निखारने का माध्यम बना, बल्कि उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा भी दे गया।

# निःशुल्क विशाल चिकित्सा परामर्श शिविर में 337 मरीज लाभान्वित

प्रसारण न्यूज ◆ रतलाम

श्री कालिका माता सेवा मण्डल ट्रस्ट, रतलाम, महर्षि परशुराम सहकारी साख संस्था मर्यादित, रतलाम एवं जय कैला माता शैक्षणिक सामाजिक कल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण प्रकोष्ठ द्वारा रविवार को श्री कालिका माता सत्संग हॉल में निःशुल्क विशाल चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कर सैकड़ों मरीजों का परीक्षण व परामर्श किया।

शिविर में मेडिकल कॉलेज रतलाम के सह संयुक्त संचालक डॉ. प्रदीप मिश्रा, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप दुबे, महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. पारुल त्रिचल, चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. जैसिका सिंह, नाक-कान-गला विशेषज्ञ डॉ. पवन शर्मा, जनरल फिजिशियन डॉ. चंदन शर्मा व डॉ. विनय शर्मा, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीष राठौर, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. यश हाड़ा तथा फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. प्रमोद भगत ने सेवाएं दीं। साथ ही मेडिकल कॉलेज रतलाम के प्रबंधक समन्वयक डॉ. अंकित शर्मा भी उपस्थित रहे।

शिविर का उद्घाटन वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. दीप व्यास के मुख्य आतिथ्य में, कालिका माता सेवा मण्डल ट्रस्ट के अध्यक्ष राजाराम मोतियानी एवं उपाध्यक्ष मोहनलाल भट्ट द्वारा किया गया।

**सामाजिक संगठनों का मिला सहयोग –** आयोजन में विभिन्न सामाजिक संगठनों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। इनमें नागर ब्राह्मण समाज, पालीवाल ब्राह्मण समाज, भार्गव ब्राह्मण समाज, औदिच्य ब्राह्मण समाज, आद्यगौड़ ब्राह्मण समाज, श्री गुर्जर गौड़ समाज तथा इनरव्हील क्लब ऑफ रतलाम प्रमुख रहे। शिविर में न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं सुश्री पूनम तिवारी (जिला विधि सहायता अधिकारी) तथा न्यायाधीश नीरज पवैया की गरिमामयी उपस्थिति रही। डॉ. कैलाश नाथ काटजू विधि महाविद्यालय के स्वयंसेवी छात्र-छात्राओं ने भी सेवाएं प्रदान कीं।

शिविर के दौरान कुल 337 मरीजों ने स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श का लाभ लिया। सेवा देने वाले सभी चिकित्सकों को ट्रस्ट की ओर से सम्मानित किया गया। विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने भी उपस्थित रहकर आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मुनिन्द्र दुबे ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन हरिश कुमार बिंदल द्वारा किया गया।

# संपादकीय

# युवा देश, घटते मौके...

देश में पिछले कुछ वर्षों से बेरोजगारी एक गंभीर मुद्दा बना हुआ है। इससे बड़े स्तर पर युवा श्रम शक्ति का इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है और यह राष्ट्र के संपूर्ण विकास में भी अवरोध पैदा कर रहा है। किसी भी अर्थव्यवस्था को तभी संतुलित माना जाता है, जब उसमें आर्थिक विकास के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होते हों। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में कुल कार्यबल तथा जनसंख्या के लिहाज से भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश है। यहां युवाओं की आबादी अन्य देशों की तुलना में अधिक है। मगर इस कार्यबल को व्यापक रूप से राष्ट्र के निर्माण में भागीदारी के समान अवसर नहीं मिल पा रहे हैं।

इसका आकलन केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी रपट से किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि देश में पंद्रह वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों के बीच बेरोजगारी दर पिछले वर्ष दिसंबर में बढ़कर 4.8 फीसद पर पहुंच गई, जबकि नवंबर में यह आंकड़ा 4.7 फीसद था। शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी का असर ज्यादा रहा, जहां इसकी दर नवंबर में 6.5 फीसद से बढ़कर 6.7 फीसद हो गई। इससे स्पष्ट है कि सरकारी और निजी संगठित एवं असंगठित क्षेत्रों में रोजगार के अवसर घट रहे हैं। गौरतलब है कि केंद्र सरकार की ओर से 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्किल इंडिया' जैसी योजनाओं की शुरुआत की गई है, लेकिन इनका असर विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग रहा है। कई युवा और श्रमिक वर्ग अपने कौशल को विकसित करने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, इसके बावजूद उन्हें रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। कृत्रिम मेधा और डिजिटलीकरण के कारण

भी रोजगार में कमी आई है। हालांकि, डिजिटल क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं, लेकिन इनमें भी विशेष कौशल की आवश्यकता होती है, जो हर किसी के पास नहीं है। इसमें दोराय नहीं कि रोजगार की मांग के अनुपात में सरकारी नौकरियों की संख्या में वृद्धि नहीं हो पा रही है।

इसके अलावा, सरकारी भर्ती प्रक्रियाओं में देरी और परीक्षा प्रणाली के मुद्दे भी रोजगार हासिल करने के समान अवसरों को प्रभावित करते हैं। हालांकि आंकड़ों के हिसाब से देखें तो शहरों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में राहत की बात यह है कि वहां पिछले वर्ष नवंबर से दिसंबर के बीच बेरोजगारी दर 3.9 फीसद पर स्थिर है। दरअसल, किसी भी देश में संपूर्ण आर्थिक विकास तभी संभव हो पाता है, जब सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि हो, प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी तथा गरीबी, भुखमरी और सामाजिक असमानता में कमी आए तथा रोजगार की उपलब्धता और प्रति व्यक्ति खुशहाली हो। विकास का माडल ऐसा होना चाहिए, जिसमें रोजगार के अवसर, गरीबों का उत्थान और किसानों की समृद्धि सुनिश्चित हो सके तथा महंगाई की दर कम रहे। सवाल है कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का जो लक्ष्य रखा है, क्या मौजूदा परिस्थितियों की लिहाज से उसे तय समय में हासिल किया जा सकेगा ! यह सच है कि बेरोजगारी दर में उतार-चढ़ाव से देश के विकास पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि बेरोजगारी दर में कमी लाने के लिए शिक्षा को कौशल विकास से जोड़ने को प्राथमिकता दी जाए और सरकारी एवं निजी क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएं। तभी भारत सही मायने में एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ पाएगा।

## महाराष्ट्र ननि चुनाव परिणाम 2026: आरोपों के बजाय हार का कारण क्यों नहीं खोजते?

महाराष्ट्र में महानगरपालिकाओं के मतदान के दौरान गैरभाजपाई राजनीतिक दलों ने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर कई तरह के आरोप लगाए. कहीं फर्जी वोटिंग की आशंकाएं जताई गईं तो कहीं स्याही मिटाने के वीडियो वायरल हुए. मतदाता सूची को लेकर भी सवाल खड़े किए गए. और शुक्रवार को चुनाव परिणाम आए तो साफ हो गया कि भारतीय जनता पार्टी ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है. अब सवाल यह है कि भाजपा को ये जोरदार सफलता क्यों मिली है? गैरभाजपाई दलों ने जो आरोप लगाए हैं, उनमें कितना दम है यह कहना मुश्किल है लेकिन ये बात साफ है कि हमारा निर्वाचन आयोग किसी भी दल के लिए काम नहीं करता. वह भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने में भूमिका निभाता है.

इसलिए भाजपा की जीत को इन आरोपों के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए. यदि ऐसा ही होता तो फिर कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव गुट) के प्रत्याशी क्यों जीतते? जो प्रत्याशी भी जीते हैं, उसके पीछे उनकी खुद की विश्वसनीयता, उनकी कर्मठता और उनके दलों का नजरिया प्रमुख तत्व है. भाजपा की प्रचंड जीत यह दर्शाती है कि देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में लोगों का भरोसा है. विपक्षी दलों को इस बात को स्वीकार करना चाहिए कि भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी के साथ ऐसा रिश्ता बनाया है जिसने उसे विश्वास की नई डोर दी है. भाजपा ने साबित किया है कि उसके पास जो संगठनात्मक ढांचा है, वह बाकी सभी दलों से ज्यादा सक्रिय और वैचारिक रूप से सक्षम है. इसके ठीक विपरीत दूसरे दलों का सांगठनिक ढांचा लगातार कमजोर होता गया है. जहां कांग्रेस का संगठन थोड़ा भी मजबूत है, वहां उसके प्रत्याशियों ने जीत हासिल की है. और यही बात शिवसेना (उद्धव गुट) पर भी लागू होती है. जब ये सारी बातें स्पष्ट हैं तो गैरभाजपाई राजनीतिक दलों को आत्मचिंतन करना चाहिए कि जनता उन्हें भाजपा जैसा अवसर क्यों नहीं दे रही है? केवल आरोपों के सहारे लंबे समय तक राजनीति नहीं की जा सकती. संगठन को मजबूत नहीं किया तो जनता का विश्वास हासिल नहीं कर पाएंगे. केवल आरोप ही लगाते रह जाएंगे और भाजपा आगे निकलती चली जाएगी. गैरभाजपाई दल तभी भाजपा को मात दे सकते हैं जब वे अपनी बड़ी लकीर खींचने की कोशिश करें. दूसरे की लकीर मिटाने की कोशिश कभी कामयाब नहीं होती.

## आज का राशिफल

| राशि | फल | राशि | फल |
|---|---|---|---|
| मेष | अचानक आने वाली परेशानी के कारण लाभ के अवसरों में रुकावट आ सकती है। | तुला | पकड़ मजबूत बनी रहेगी। आपकी सूझबूझ से एक के बाद एक मामले सुलझाते चले जाएंगे। |
| वृषभ | दिन लाभ दिलाने वाला साबित होगा। अधिक उत्साह के कारण कुछ कार्य बिगड़ भी सकते हैं। | वृश्चिक | आज दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। कार्यक्षेत्र में जटिल काम आसानी से पूरे होंगे। |
| मिथुन | आज के दिन मतभेद हो सकता है। ऐसे में परिवार के सदस्यों के साथ खुलकर बातचीत करें। | धनु | छोटी-मोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में शुभ समाचार प्राप्त होगा। |
| कर्क | दिन अधिक मेहनत करनी होगी। कुछ पुराने कार्यों की वजह से आपको तनाव हो सकता है। | मकर | आज मेहनत का अच्छा फल मिलेगा। कार्यक्षेत्र में नई योजनाओं से लाभ मिलेगा। |
| सिंह | सब कुछ अच्छा रहने वाला है। आपके सभी काम बिना किसी बड़ी अड़चन के समय पर पूरे हो जाएंगे। | कुंभ | धन दोनों का नुकसान हो सकता है। हालांकि इस दौरान योजनाबद्ध कार्य सफल होंगे। |
| कन्या | आज का दिन शुभ समाचारों से भरा रहेगा। किसी आयोजन में शामिल होने का अवसर मिलेगा। | मीन | दिन काफी लाभदायक है। अपनी बुद्धिमानी से आप कठिन परिस्थितियों को भी आसानी से संभाल लेंगे। |

# बड़े पर्दे पर अश्लीलता और भद्देपन की हदें पार, सीबीएफसी की कैंची चलना जरूरी

**बोल्ड और आपत्तिजनक सीन को लेकर महिला आयोग के पास शिकायत पहुंची है, जिसमें कहा गया है कि टीजर में महिलाओं को गलत और आपत्तिजनक तरीके से दिखाया गया है, जो उनकी गरिमा के खिलाफ है। शिकायत मिलने के बाद महिला आयोग का मानना है कि मनोरंजन के नाम पर महिलाओं की छवि को ठेस पहुंचाने वाला कंटेंट स्वीकार्य नहीं है, चाहे वह फिल्म हो या ओटीटी प्लेटफॉर्म। इसके साथ ही बताया जा रहा है कि महिला आयोग ने क्रेंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से आग्रह किया है कि फिल्म के कंटेंट की जांच की जाए। आम आदमी पार्टी की कर्नाटक राज्य महिला विंग ने टॉक्सिक फिल्म के टीजर में दिखाए गए एक सीन को अश्लील और अनुचित बताते हुए कर्नाटक राज्य महिला आयोग (चस्ड्ढष्ट) में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने दावा किया है कि टीजर में मौजूद आपत्तिजनक सीन महिलाओं और बच्चों के सामाजिक हित के लिए नुकसानदेह हैं और इससे महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचती है। शिकायत में इस बात की भी मांग की गई है कि मनोरंजन कंटेंट को बिना उम्र से जुड़ी चेतावनी के सार्वजनिक रूप से रिलीज नहीं किया जाना चाहिए और ऐसे सीन को हटाने या उचित कार्रवाई करने की आवश्यकता है।**

गुंजन शर्मा

ओटीटी प्लेटफॉर्म आने के बाद भारतीय मनोरंजन जगत में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। जहां पहले फिल्मों और टीवी सीरियल्स पर सेंसर की सख्ती रहती थी, वहीं ओटीटी ने क्रिएटर्स को खुली आजादी दी गई। इसी आजादी का नतीजा है कि आज फिल्मों और वेब सीरीज में बोल्ड सीन, गाली-गलौज और अभद्र भाषा का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है। ऐसा लगता है कि हर दूसरी फिल्म या सीरीज में किसी न किसी रूप में अश्लीलता परोसी जा रही है।

निर्माताओं का तर्क है कि वे रियलिस्टिक कंटेंट दिखाना चाहते हैं और समाज की सच्चाई को बिना फिल्टर सामने रख रहे हैं। कुछ हद तक यह बात सही भी है, क्योंकि समाज में मौजूद कड़वी सच्चाइयों को दिखाना जरूरी है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या हर कहानी के लिए बोल्ड सीन और गालियों का सहारा लेना कितना सही है? कई बार लगता है कि कहानी की मांग से ज्यादा सिर्फ दर्शकों का ध्यान खींचने के लिए ऐसे सीन जोड़े जा रहे हैं।

इस बढ़ते ट्रेंड का असर दर्शकों, खासकर युवाओं और बच्चों पर भी पड़ रहा है। मनोरंजन के नाम पर परोसा जाने वाला कंटेंट अगर सोच और संस्कारों पर असर डालने लगे, तो यह चिंता की बात है। मेकर्स की जिम्मेदारी बनती है कि मजबूत कहानी, दमदार अभिनय और असरदार डायलॉग से दर्शकों के दिल तक पहुंचा जाए, बजाय इसके कि वो पर्दे पर अशलीलता दिखाए। इस वक्त रॉकिंग स्टार कहलाए जाने वाले यश की फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' ऐसे ही कुछ कारणों से सुर्खियों में है। इस फिल्म के टीजर में अशलीलता की हदें पार कर दी गई हैं और इसके खिलाफ तमाम लोगों ने आवाज भी उठाई है।

फिल्म के टीजर की शुरुआत में एक गंभीर माहौल दिखाया जाता है। कब्रिस्तान में कई लोग किसी को दफना रहे होते हैं और वहीं बाहर कार में यश और बीट्रिज टौफेनबाख को कार में इंटिमेट होते हुए दिखाया है। इसके बाद खतरनाक फायरिंग होती है, जिसमें कई लोग मौत के घाट उतारे जाते हैं। इस वॉयलेंस के अलावा इस टीजर में इंटिमेट सीन में अभद्रता की सारी हदें पार की गई हैं। कुल मिलाकर फिल्म का टीजर, टीजर कम और कंडोम या किसी इंटिमेट पावर सप्लीमेंट का विज्ञापन ज्यादा लग रहा है।

फिल्म के टीजर में अगर इतनी अश्लीलता परोसी जा रही है तो जरा सोचिए पूरी फिल्म में इस तरह के कितने सीन देखने को मिलेंगे। इस तरह के अभद्र सीन दिखाना दर्शकों के लिए बिल्कुल ठीक नहीं है, क्योंकि यश के फैंस में बच्चे और युवा शामिल हैं। ऐसे में अगर वो ये बोल्ड सेक्स सीन देखते हैं तो उनके दिमाग पर सही असर नहीं होगा। सेंसर बोर्ड को इस मामले में दखल देनी होगी और इस तरह के सीन

को फिल्म से हटाने के निर्देश देने चाहिए।

तमाम लोगों ने फिल्म के टीजर को लेकर शिकायत की है, ऐसा करने वालों का कहना है कि फिल्मों में लगातार अश्लील सीन और अभद्र भाषा दिखाई जा रही है, जिससे समाज पर गलत असर पड़ रहा है। उनका आरोप है कि सिर्फ चर्चा और प्रचार पाने के लिए ऐसे सीन जोड़े जा रहे हैं, जबकि कहानी के लिए उनकी जरूरत नहीं है।

इसी को लेकर संबंधित अधिकारियों से मांग की गई है कि टीजर और फिल्म के कंटेंट की जांच की जाए और जरूरत पड़े तो ऐसे सीन को हटाया जाए। हालांकि, फिल्म निर्माताओं की ओर से अब तक इस शिकायत पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। वहीं, यश के फैंस का कहना है कि टीजर सिर्फ फिल्म की झलक है और पूरी फिल्म देखने के बाद ही कोई राय बनानी चाहिए। फिलहाल, 'टॉक्सिक' का टीजर विवादों में भी घिरा हुआ है।

बोल्ड और आपत्तिजनक सीन को लेकर महिला आयोग के पास शिकायत पहुंची है, जिसमें कहा गया है कि टीज़र में महिलाओं को गलत और आपत्तिजनक तरीके से दिखाया गया है, जो उनकी गरिमा के खिलाफ है। शिकायत मिलने के बाद महिला आयोग का मानना है कि मनोरंजन के नाम पर महिलाओं की छवि को ठेस पहुंचाने वाला कंटेंट स्वीकार्य नहीं है, चाहे वह फिल्म हो या ओटीटी प्लेटफॉर्म। इसके साथ ही बताया जा रहा है कि महिला आयोग ने क्रेंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से आग्रह किया है कि फिल्म के कंटेंट की जांच की जाए। आम आदमी पार्टी की कर्नाटक राज्य महिला विंग ने टॉक्सिक फिल्म के टीजर में दिखाए गए एक सीन को अश्लील और अनुचित बताते हुए कर्नाटक राज्य महिला आयोग (चस्ड्ढष्ट) में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने दावा किया है कि टीजर में मौजूद आपत्तिजनक सीन महिलाओं और बच्चों के सामाजिक हित के लिए नुकसानदेह हैं और इससे महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचती है। शिकायत में इस बात की भी मांग की गई है कि मनोरंजन कंटेंट को बिना उम्र से जुड़ी चेतावनी के सार्वजनिक रूप से रिलीज नहीं किया जाना चाहिए और ऐसे सीन को हटाने या उचित कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

साल 2023 में आई फिल्म 'एनिमल' में भी कुछ ऐसे सीन थे, जिन्हें लेकर आपत्ति जताई गई थी। वैसे तो फिल्म में रोमांस वाले कई सीन थे, लेकिन रणबीर कपूर और तृप्ति डिमरी के कुछ हद से ज्यादा बोल्ड सीन भी दिखाए गए थे। एक तो फिल्म में जरूरत से ज्यादा हिंसा थी और उसके साथ ऐसे सीन। ये फिल्म परिवार या बच्चों के साथ देखने लायक नहीं थी। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने कमाल दिखाया था। रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' साल 2023 की जबरदस्त हिट रही, जिसने दुनिया भर में कुल कमाई लगभग 917-920 करोड़ की कमाई की थी।

वैसे तो भारत में फिल्में सेंसर्स बोर्ड (सीबीएफसी) के नियमों के तहत आती हैं, जिनका मकसद फिल्मों को सामाजिक तरीके से पेश करना है। लेकिन इन दिनों हद से ज्यादा आपत्तिजनक चीजें दिखाई जा रही हैं, जो सेंसर बोर्ड के नियमों का उल्लंघन है, हालांकि फिल्म को रिलीज़ होने में दिक्कत हो सकती है। इसके साथ ही भारत जैसे देशों में समाज की सांस्कृतिक और नैतिक सीमाएं सेट होती हैं, ऐसे में अगर फिल्में इन सीमाओं को पार कर दें तो लोग इसे स्वीकार नहीं कर पाते।

# दुनिया को ट्रंप की खुली धमकी ...

**डोनाल्ड ट्रंप का ग्रीनलैंड को लेकर दिया गया बयान एक चेतावनी है। यह चेतावनी है उस दुनिया के लिए जो नियम आधारित व्यवस्था पर भरोसा करती रही है। यह संकेत है कि आने वाले समय में ताकतवर देश ज्यादा आक्रामक और ज्यादा बेपरवाह हो सकते हैं। अगर इस सोच को समय रहते रोका नहीं गया, तो न केवल नाटो बल्कि पूरी वैश्विक व्यवस्था गहरे संकट में फंस सकती है। ग्रीनलैंड की बर्फ के नीचे केवल खनिज नहीं हैं, वहां भविष्य के टकराव की चिंगारी भी छुपी हुई है।**

नीरज कुमार दुबे

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर वैश्विक राजनीति में उथल पुथल मचा दी है। इस बार विवाद का केंद्र बना है ग्रीनलैंड। ट्रंप ने संकेत दिया है कि दुनिया के जो देश ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका की रणनीति का समर्थन नहीं करेंगे, उन पर अमेरिका भारी टैरिफ लगा सकता है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब आर्कटिक क्षेत्र में रूस और चीन की सक्रियता तेजी से बढ़ रही है और अमेरिका वहां अपनी पकड़ मजबूत करना चाहता है।

डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि ग्रीनलैंड अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उनका तर्क है कि आर्कटिक क्षेत्र भविष्य की सामरिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बनने जा रहा है और ग्रीनलैंड इस पूरे क्षेत्र की चाबी है। उन्होंने साफ संकेत दिया कि जो देश इस अमेरिकी सोच के साथ नहीं आएंगे, उन्हें आर्थिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। हम आपको बता दें कि ग्रीनलैंड डेनमार्क का स्वायत्त क्षेत्र है और डेनमार्क सरकार ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि ग्रीनलैंड न तो बिकाऊ है और न ही किसी दबाव में सौंपा जा सकता है। ग्रीनलैंड के स्थानीय प्रशासन ने भी अमेरिका की इस सोच को खारिज करते हुए कहा है कि वहां के लोग अपने भविष्य का फैसला खुद करेंगे। वहीं यूरोप के कई देशों ने डेनमार्क के

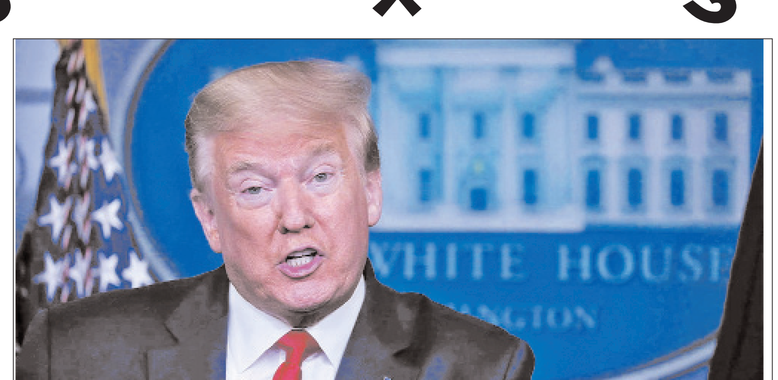


समर्थन में बयान दिए हैं और इसे अंतरराष्ट्रीय नियमों और संप्रभुता के खिलाफ बताया है। साथ ही ट्रंप की टैरिफ धमकी को कई देशों ने आर्थिक जबरदस्ती करार दिया है। ट्रंप के ताजा बयान के बाद ट्रांस अटलांटिक रिश्तों में तनाव साफ दिखाई देने लगा है और नाटो के भीतर भी असहजता बढ़ती नजर आ रही है। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप का ग्रीनलैंड को लेकर दिया गया बयान एक ऐसी राजनीति को उजागर करता है जिसमें कूटनीति नहीं बल्कि धमकी हथियार बन चुकी है। ग्रीनलैंड क्यों अहम है यदि इसकी बात करें तो आपको बता दें कि यह कोई साधारण बर्फीला द्वीप नहीं है। यह आर्कटिक क्षेत्र में स्थित एक ऐसा भूभाग है जहां से उत्तरी अटलांटिक पर नजर रखी जा सकती है। यहां दुर्लभ खनिज संसाधन हैं। यहां से मिसाइल चेतावनी प्रणाली, नौसैनिक गतिविधियां और वायु मार्ग नियंत्रित किए जा सकते हैं। यही वजह है कि अमेरिका इसे केवल आर्थिक नहीं बल्कि सैन्य नजरिये से भी देखता है। लेकिन सवाल यह नहीं है कि ग्रीनलैंड कितना महत्वपूर्ण है। असली सवाल यह है कि क्या किसी देश को यह अधिकार है कि वह अपनी सामरिक जरूरतों के नाम पर दूसरे देशों पर आर्थिक दबाव बनाए। ट्रंप का बयान इसी सोच की खतरनाक मिसाल है। देखा जाये तो टैरिफ अब अमेरिका का सबसे बड़ा हथियार बन चुका है। टैरिफ का इस्तेमाल कभी व्यापार संतुलन के लिए होता था। आज यह राजनीतिक और सामरिक दबाव का औजार बन गया है। ट्रंप की धमकी बताती है कि अमेरिका अब खुले तौर पर कह रहा है या तो हमारे साथ खड़े हो जाओ या आर्थिक सजा भुगतो। यह नीति न केवल वैश्विक व्यापार को नुकसान पहुंचाती है बल्कि छोटे और मध्यम देशों को डर के साए में जीने पर मजबूर करती है। आज ग्रीनलैंड है। कल कोई और मुद्दा होगा। यह रवैया पूरी दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेल सकता है। दूसरी ओर, नाटो की नींव सामूहिक सुरक्षा और आपसी भरोसे पर टिकी है। लेकिन जब नाटो का सबसे शक्तिशाली सदस्य ही दूसरे सदस्य देश पर दबाव डालने लगे, तो यह गठबंधन कैसे टिकेगा। डेनमार्क नाटो का सदस्य है। ग्रीनलैंड उसका हिस्सा है। अगर अमेरिका उसी देश को धमकी दे रहा है, तो यह नाटो पर सीधा हमला है। यह संदेश जा रहा है कि गठबंधन तभी तक मान्य है जब तक वह अमेरिकी हितों के अनुकूल है। इस बीच, यूरोप के कई देशों के भीतर अब यह सवाल उठने लगा है कि क्या अमेरिका सच में भरोसेमंद सुरक्षा साझेदार है या नहीं। यह वही दरार है जो नाटो को अंदर से खोखला कर सकती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि अगर अमेरिका ग्रीनलैंड को लेकर आक्रामक रुख अपनाता है, तो इसके दूरगामी सामरिक परिणाम होंगे। रूस और चीन को यह कहने का मौका मिलेगा कि पश्चिमी देश दोहरे मानदंड अपनाते हैं। ऐसे में यूरोप अपने स्वतंत्र रक्षा ढांचे की ओर और तेजी से बढ़ सकता है। इससे नए सैन्य और आर्थिक गुट बन सकते हैं। इसका मतलब यह भी है कि दुनिया एक बार फिर गुटों में बंटने की ओर बढ़ेगी। शीत युद्ध जैसी स्थिति लौट सकती है लेकिन इस बार आर्थिक हथियार ज्यादा खतरनाक होंगे।

अब सवाल उठता है कि क्या नाटो खत्म होने की कगार पर है? जवाब यह है कि नाटो तुरंत खत्म नहीं होगा। लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि वह अपने सबसे नाजुक दौर में है। अगर अमेरिका इसी तरह सहयोगियों पर दबाव डालता रहा, तो नाटो का अस्तित्व केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। देखा जाये तो किसी भी गठबंधन की ताकत हथियारों से नहीं, भरोसे से आती है। और भरोसा तब टूटता है जब धमकी संवाद की जगह ले ले।

बहरहाल, डोनाल्ड ट्रंप का ग्रीनलैंड को लेकर दिया गया बयान एक चेतावनी है। यह चेतावनी है उस दुनिया के लिए जो नियम आधारित व्यवस्था पर भरोसा करती रही है। यह संकेत है कि आने वाले समय में ताकतवर देश ज्यादा आक्रामक और ज्यादा बेपरवाह हो सकते हैं। अगर इस सोच को समय रहते रोका नहीं गया, तो न केवल नाटो बल्कि पूरी वैश्विक व्यवस्था गहरे संकट में फंस सकती है। ग्रीनलैंड की बर्फ के नीचे केवल खनिज नहीं हैं, वहां भविष्य के टकराव की चिंगारी भी छुपी हुई है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन

## ज्वेरेव की ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीत, महिलाओं में पाओलिनी और स्वितोलिना आगे बढ़ीं

**मेलबर्न, एजेंसी।** तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए गैब्रियल डियालो को हराकर वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की। पिछले साल के उपविजेता ज्वेरेव ने कनाडा के 24 वर्षीय खिलाड़ी डियालो के खिलाफ अच्छी शुरुआत नहीं की लेकिन इसके बाद उन्होंने अपने अनुभव और दमदार सर्विस के दम पर वापसी करते हुए 6-7 (7), 6-1, 6-4, 6-2 से जीत हासिल की। वह लगातार 10वें वर्ष ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे हैं। महिला वर्ग में सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी ने पहले दौर में अलीअक्सांद्रा सास्नोविच को 6-1, 6-2 से हराया। इटली की इस खिलाड़ी को यह मैच जीतने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। उन्होंने पहला सेट केवल 27 मिनट में जीत लिया था और इसके बाद भी अपनी लय बरकरार रखी। इटली के विश्व रैंकिंग में 20वें नंबर पर काबिज फ्लेवियो कोबोली टूर्नामेंट से बाहर होने वाले पहले वरीयता प्राप्त पुरुष खिलाड़ी बन गए।

## 4 खिलाड़ी जो बेंच पर काटेंगे पूरा टी20 वर्ल्डकप!

**नई दिल्ली,एजेंसी।** टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम का ऐलान पहले ही हो चुका है। 15 खिलाड़ियों की टीम में एक से एक भयंकर खिलाड़ी को शामिल किया गया है। हालांकि मैच में 11 ही खिलाड़ी खेल सकते हैं और इसके चलते कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें बेंच पर बैठना पड़ता है। ऐसे ही 4 खिलाड़ियों की बात हम आगे करने वाले हैं, जिन्हें टी20 वर्ल्ड कप की टीम में जगह तो मिली है, लेकिन उन्हें पूरे टूर्नामेंट बाहर बैठना पड़ सकता है।

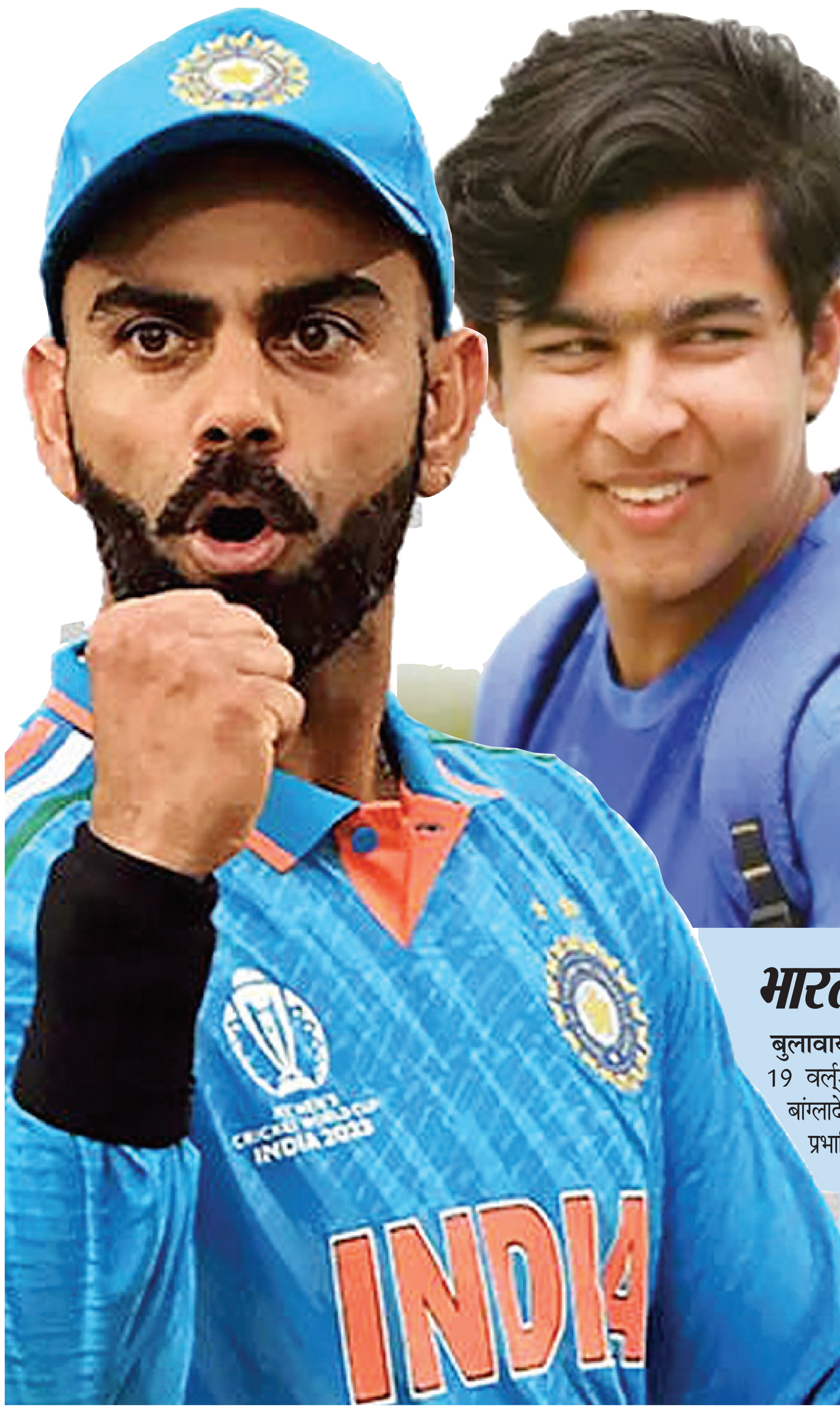


# अब विराट भी पीछे...

## वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, सिर्फ 20 मैचों में किया बड़ा कारनामा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर कमाल कर दिया. ग्रुप ए के दूसरे मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ वैभव सूर्यवंशी ने बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में एक अहम पारी खेली. इस मुकाबले में टीम इंडिया ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की, लेकिन टीम की शुरुआत कुछ खास नहीं रही. इसके बाद वैभव सूर्यवंशी ने एक छोर को संभालते हुए अर्धशतक जड़ा और एक खास लिस्ट में विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया.

यूथ वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बांग्लादेश के नजमुल हुसैन शान्तो के नाम है. नजमुल हुसैन शान्तो ने कुल 58 यूथ वनडे मैच खेले थे और 1820 रन बनाए थे. ऐसे में वैभव सूर्यवंशी को ये वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने के लिए अभी भी 773 रनों की जरूरत है. हालांकि, वैभव सूर्यवंशी की उम्र अभी 14 साल ही है.

### विराट कोहली से आगे निकले वैभव सूर्यवंशी

भारतीय टीम ने इस मैच में अपने शुरुआती 3 विकेट सिर्फ 53 रन पर गंवा दिए. इसके बाद वैभव सूर्यवंशी ने टीम की पारी को संभालते हुए 67 गेंदों पर 72 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 3 छक्के शामिल रहे. वैभव ने सिर्फ 30 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जो 19 वर्ल्ड कप में सबसे कम उम्र में 50+ स्कोर बनाने का नया रिकॉर्ड भी बना. वहीं, इस मैच में 4 रन बनाते ही वैभव सूर्यवंशी ने यूथ वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया.

विराट कोहली ने अपने यूथ वनडे करियर के 28 मैचों में 978 रन बनाए थे,

## एशियाई मुक्केबाजी परिषद के सदस्य बने विजेंद्र सिंह

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय मुक्केबाजी के दिग्गज विजेंदर सिंह को एशियाई मुक्केबाजी परिषद में सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है, जो एक शीर्ष खिलाड़ी से वैश्विक खेल प्रशासक बनने के उनके सफर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। विजेंदर भारत के पहले ओलंपिक मुक्केबाज हैं, जिनके पास एमेच्योर और पेशेवर मुक्केबाजी दोनों में खेल के सर्वोच्च स्तर पर खेलने का लगभग दो दशकों का अनुभव है। एशियाई मुक्केबाजी परिषद में उनकी नियुक्ति खेल की उनकी गहरी समझ और पूरे महाद्वीप में इसके विकास के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

**विजेंद्र ने जताई खुशी**

विजेंदर ने कहा, एशियाई मुक्केबाजी परिषद के सदस्य के रूप में नियुक्त होने पर मैं

## भारत की लगातार दूसरी जीत, बांग्लादेश को 18 रन से चटाई धूल

**बुलावायो (जिम्बाब्वे), एजेंसी।** भारतीय युवा ब्रिगेड ने अंडर-19 वर्ल्ड कप में अपना दबदबा कायम रखते हुए शनिवार को बांग्लादेश को रोमांचक मुकाबले में 18 रन से हरा दिया। बारिश से प्रभावित इस मैच में भारत ने न केवल खेल कौशल, बल्कि शानदार फील्डिंग और अनुशासित गेंदबाजी का भी परिचय दिया। वैभव और अभिज्ञान के बल्ले से निकले रन : टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 48.4 ओवर में 238 रन बनाए।अभिज्ञान कुंडू : टीम के सर्वोच्च स्कोरर रहे, जिन्होंने 80 रनों की कप्तानी पारी खेली।वैभव सूर्यवंशी : 72 रनों की पारी खेलकर वैभव अंडर-19 वर्ल्ड कप इतिहास में अर्धशतक बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं।

### बारिश ने बदला समीकरण, विहान ने बरपाया कहर

भारतीय पारी के बाद बारिश के कारण मैच रोकना पड़ा, जिसके चलते बांग्लादेश को 29 ओवर में 165 रन का संशोधित लक्ष्य मिला।विहान मल्होत्रा भारत के मुख्य मैच विनर रहे, जिन्होंने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट चटकाए।बांग्लादेश की टीम 28.3 ओवर में 146 रन पर ही सिमट गई।मैच का सबसे बड़ा आकर्षण वैभव सूर्यवंशी का वह कैच रहा, जिसने टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में सूर्यकुमार यादव द्वारा पकड़े गए कैच की याद दिला दी। बाउंड्री लाइन पर लिए गए इस हैरतअंगेज कैच ने बांग्लादेशी बल्लेबाज रतुल को पवेलियन भेजकर मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया।

## बांग्लादेश की उम्मीदों को जोर का झटका... आयरलैंड ने ग्रुप बदलने से मना किया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका की सहमेजबानी में होने जा रहे आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर जारी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा. पहले भारत-पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखने पर बहस छिड़ी. इसके बाद बांग्लादेशी टीम ने भारत में अपने मैच खेलने से इनकार किया. ऐसे में इस टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की टेंशन बढ़ गई है. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी के साथ मीटिंग में प्रस्ताव रखा था कि बांग्लादेश और आयरलैंड आपस में ग्रुप बदल लें, जिससे बांग्लादेश के मैच श्रीलंका खिसक जाएं. बोर्ड का तर्क था कि इससे लॉजिस्टिक बदलाव कम से कम होंगे . हालांकि क्रिकेट आयरलैंड ने बांग्लादेश के साथ ग्रुप बदलने के प्रस्ताव को पूरी तरह खारिज कर दिया है, जिससे बीसीबी के लिए स्थिति और मुश्किल हो गई है. क्रिकेट आयरलैंड ने साफ कर दिया है कि उसकी टीम का शेड्यूल जैसा है, वैसा ही रहेगा. यानी उसकी टीम अपने सभी ग्रुप-स्टेज मैच श्रीलंका के कोलंबो में ही खेलेगी.क्रिकेट आयरलैंड के एक अधिकारी ने क्रिकबज से कहा, 'हमें आईसीसी से स्पष्ट आश्वासन मिला है कि हम मूल शेड्यूल से नहीं हटेंगे. हम निश्चित तौर पर श्रीलंका में ही ग्रुप-स्टेज खेलेंगे.' इस बयान के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की उम्मीदों पर सीधा झटका लगा है.

# अच्छी एक्टिंग तभी होती है जब आपको अपने को-स्टार पर भरोसा हो

कृति सेनन इन दिनों अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। 2026 उनके लिए अहम माना जा रहा है।

### थिएटर तक ऑडियंस को खींचना अब सबसे बड़ी चुनौती है

ईमानदारी से कहूं तो, थिएटर के हिसाब से बस फिल्म में कुछ अलग होना चाहिए। कुछ ऐसा मनोरंजक होना चाहिए कि आपका मन करे कि यह तो अभी देखते हैं। अगर कहानी में वह खिंचाव नहीं है, तो लोग तीन चार महीने बाद उसे घर पर आराम से देखना पसंद करेंगे। मेरा मानना है कि मीडियोकर (सामान्य स्तर का) काम अब काम नहीं करेगा। ओटीटी के आने के बाद दर्शक बहुत समझदार हो गए हैं। थिएटर में आने के लिए फिल्म को एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी होना ही पड़ेगा। कहानी चाहे लव स्टोरी हो या बड़ी फेंचाइज जब तक आप ऑडियंस को एक्साइट नहीं कर सकते, कुछ नया नहीं दिखा सकते, तब तक उन्हें थिएटर तक खींचना मुश्किल है।

### आज की रोमांटिक फिल्मों में प्यार का कौन-सा अहम संघर्ष मिस हो रहा है?

ऐसा नहीं है कि कोई संघर्ष नहीं आ पा रहा है, बस नजरिए की बात है। मुझे लगता है कि आजकल की जेनरेशन बहुत जल्दी मूव ऑन करने वाली जेनरेशन है। हम शायद उतना गहरा, शिद्दत वाला प्यार करने से डरते हैं क्योंकि हमें रिजेक्शन का डर लगता है। हम उतना डीप अटैच होने से कतराते हैं। आज की लेफ्ट स्वाइप, राइट स्वाइप वाली मॉडर्न पीढ़ी की यह सच्चाई एक बड़ा कॉन्फ्लिक्ट है। हम खुद से ज्यादा फोन और मशीनों से बात करते हैं, इंसानों से कम। डेटा बहुत ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन अगर हमें साथ में छोड़ दिया जाए तो बात करने को कुछ होता ही नहीं है। संवाद की यह कमी और डिजिटल अकेलापन एक ऐसा पहलू है जिसे सिनेमा में और गहराई से दिखाया जा सकता है।

### आपके और धनुष की ट्यूनिंग ने सीन को कितना असरदार बनाया?

शंकर और मुक्ति के सीन्स में हम दोनों के लिए अपना बेस्ट देना जरूरी था। अभिनय कभी भी अकेले में नहीं होता। हर सीन में हम बातचीत करते थे कि तुम्हें क्या फील हो रहा है? तुम्हें क्या करना है? हम एक-दूसरे के अभिनय के इर्द-गिर्द काम करते थे। जब आप अपने को-स्टार के साथ इतनी सहजता महसूस करते हैं।

### मुक्ति के लिए आपने क्या खास तैयारी की थी?

फिल्म में मुक्ति जिस चीज से गुजरती है, उसका गिल्ट बहुत बड़ा होता है। मैंने हमेशा यह सोचा कि उसका दिल बहुत साफ है और वह बहुत एम्पेथेटिक है। जब ऐसी लड़की जाने-अनजाने में एक लड़के की जिंदगी तबाह कर देती है, तो वह खुद को बहुत जिम्मेदार समझने लगती है। वह गिल्ट इतना बड़ा है कि वह लगभग आत्म-विनाशकारी स्तिथि में चली जाती है। उसे लगता है कि मैं यह दर्द डिजर्व करती हूं, यह मेरा पश्चाताप है। जब वह एयरबेस पर उससे मिलने जाती है, तो उसके दिमाग में बहुत कुछ चल रहा होता है।

# द ग्रेट... में फिजिक्स की मदद से केस क्रैक करेंगे नवाज

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की फिल्म द ग्रेट एस्केप : फरार अपने अनोखे कॉन्सेप्ट, ग्लोबल टीम और तकनीकी तैयारी के कारण चर्चा में है। कुशाग्र शर्मा निर्देशित यह एस्केप-थ्रिलर ताकत से ज्यादा दिमाग, विज्ञान और रणनीति पर आधारित है। फिल्म एक आम-से दिखने वाले फिजिक्स प्रोफेसर की कहानी है, जो अपनी समझदारी और साइंटिफिक प्रिंसिपल्स से अंतरराष्ट्रीय संकट से निकलने की कोशिश करता है।

### मनी हाइस्ट के प्रोफेसर जैसे होगा नवाज का रोल

फिल्म में नवाजुद्दीन का किरदार निर्देशक ने मनी हाइस्ट के प्रोफेसर जैसी इंटेलिजेंट अप्रोच से जोड़ा है, हालांकि समानता सिर्फ रणनीति और प्लानिंग तक सीमित है। कहानी और ट्रीटमेंट पूरी तरह भारतीय संदर्भ में है। नवाजुद्दीन ने फिजिक्स प्रोफेसर का रोल निभाते हुए संवादों से आगे बढ़कर कई साइंटिफिक कॉन्सेप्ट्स समझे, सेट पर प्रयोग किए और किरदार को वास्तविक बनाने के लिए तकनीकी डिटेल्स पर खास मेहनत की। फिल्म की सबसे बड़ी खासियत इसका ग्लोबल एसोसिएशन है। हॉलीवुड एक्टर इलिया वोलोक फिल्म में मुख्य खलनायक हैं, जो मिशन इम्पॉसिबल, इंडियाना जोन्स और जेमिनी मैन जैसी बड़ी फिल्मों का हिस्सा रह चुके हैं।

# स्टॉर्म से निर्माता बनेंगे ऋतिक, कृष 4 पर भी तेजी से काम जारी

ऋतिक रोशन दो दशक से ज्यादा समय तक हिंदी सिनेमा में बतौर सुपरस्टार अपनी मजबूत बनाए हुए हैं। अब वह अपने करियर के अगले फेज की तैयारी में जुट गए हैं। 2026-27 के लिए तैयार उनका रोडमैप साफ संकेत देता है कि अभिनय के साथ-साथ अब उनका फोकस फिल्म निर्माण और कंटेंट आईपी पर भी है। अपनी प्रोडक्शन कंपनी के जरिए ऋतिक डिजिटल और फिल्म प्रोडक्शन स्पेस में भी निवेश कर रहे हैं, ताकि वह सिर्फ एक्टर नहीं, बल्कि कंटेंट ओनर के रूप में भी खुद को स्थापित कर सकें।

**टब्बर फेम अजीतपाल ने डायरेक्ट की सीरीज**

स्टॉर्म बतौर निर्माता ऋतिक का डेब्यू प्रोजेक्ट है। अक्टूबर 2025 में स्ट्रीमिंग कंटेंट की आधिकारिक घोषणा के बाद इस थ्रिलर सीरीज की शूटिंग नवंबर में मुंबई में शुरू हुई थी और इसे फरवरी 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस सीरीज को टब्बर फेम अजीतपाल सिंह ने क्रिएट और डायरेक्ट किया है। बताया जाता है कि ऋतिक और अजीतपाल ने इस कहानी को लगभग तीन साल तक डेवलप किया है। यह सीरीज प्राइम वीडियो और ।।ऋ फिल्म्स के बीच हुई बड़ी प्लेटफॉर्म पार्टनरशिप का हिस्सा है। इसे ऋतिक के डिजिटल कदम की मजबूत शुरुआत माना जा रहा है।

**एक्टिंग के लिए हाई-बजट प्रोजेक्ट चुन रहे ऋतिक**

ऋतिक ने आने वाले दो वर्षों के लिए बेहद चुनिंदा हाई-बजट प्रोजेक्ट्स चुने हैं। वॉर 3 को लेकर भले ही अनाउंसमेंट नहीं हुई हो, लेकिन इसे 2027 की सबसे बड़ी फिल्मों में गिना जा रहा है। कृष 4 पर भी काम तेजी से जारी है।

ट्रेड के मुताबिक, ऋतिक का यह ट्रांजिशन पूरी तरह प्लांड है। बदलते दौर में जहां सुपरस्टार्स के लिए सिर्फ बॉक्स ऑफिस नहीं, बल्कि डिजिटल राइट्स और आईपी ओनरशिप भी अहम हो गई है, वहीं ऋतिक अपने करियर को बैलेंस पोर्टफोलियो की ओर ले जा रहे हैं। एक तरफ वॉर 3 और कृष 4 जैसी मास अपील फिल्में, तो दूसरी तरफ स्टॉर्म जैसे कंटेंट-ड्रिवन प्रोजेक्ट्स। आने वाले समय में यही संतुलन तय करेगा कि ऋतिक बतौर निर्माता कितने प्रभावी होते हैं।

## बिजली विभाग की लापरवाही ने ली किसान की जान

# बिजली का तार टूटकर करंट लग जाने से किसान की दर्दनाक मौत

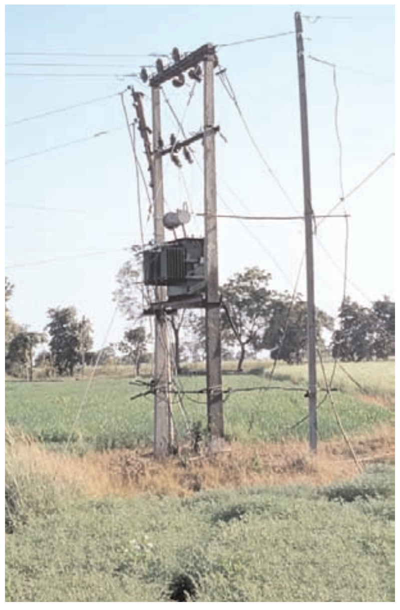

प्रसारण न्यूज ◆ ताल

*ताल बिजली विभाग इन दिनों सुर्खियों में बना हुआ है। आए दिन कुछ ना कुछ मामले निरंतर प्रकाश में आ रहे हैं, जिसमें कहीं ना कहीं तथाकथित रूप से कुछ कर्मचारियों-अधिकारियों की गैर जिम्मेदाराना रवैय्या अपनाए जाने एवं लापरवाही के कारण इसका खामियाजा गरीब आदमी को उठाना पड़ रहा है और जिसे लेकर कहीं ना कहीं आमजन में भी नाराजगी बनी हुई है और यही कारण है कि आए दिन बिजली कंपनी के मामलों को लेकर धरना आंदोलन की जानकारियां प्राप्त होती रहती है, जिसे लेकर आम जनता ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मांग की है कि ऐसे लापरवाह एवं गैर जिम्मेदार कर्मचारियों-अधिकारियों के खिलाफ जांच कर कार्रवाई करना चाहिए और ऐसे हादसों पर अंकुश लगाना चाहिए।*

*ताल के समीपस्थ ग्राम कछालिया में खेत में खेती का कार्य करते समय रविवार को बिजली का तार टूट जाने से एक युवक की करंट लग जाने से मौके पर ही सुबह के समय दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलते ही डायल 112 वाहन एवं ताल थाना प्रभारी तुरसिंह डावर पुलिस बल के साथ व आलोट नायब तहसीलदार सहित बिजली विभाग के ए ई नागर आदि पहुंचे व अधिकारीगणों ने मौका पंचनामा की कार्रवाई कर शव पी एम हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ताल पर लाया गया, जिसमें चिकित्सक द्वारा शव परीक्षण कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।*

*जानकारी के अनुसार भरत मालवीय निवासी कछालिया का रविवार को प्रातः खेती का कार्य कर रहा था कि अचानक खेती का कार्य करते समय बिजली का तार टूट जाने से वह चालु लाईट में करंट के तार की चपेट में आने से युवक की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई, जिसकी सूचना परिजनों को मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई।*

*बताया कि उक्त संबंध में लंबे समय से कई बार बिजली विभाग में शिकायत करने के बाद भी बिजली के तार नहीं बदले गए और साथ ही बिजली का सीमेंट का पोल जो किसान के खेत में खड़ा हुआ है , वह भी टूटा हुआ है, जिसको बदलने के लिए भी लाइनमैन को ग्रामीण किसान द्वारा रू 12000 देने के बाद भी कार्य नहीं किया गया।*

*उक्त घटना को लेकर ग्रामीणों में बिजली विभाग की बार-बार लापरवाही से काफी नाराजगी बनी हुई है और यही कारण रहा कि उक्त संबंध में जब मौके पर विद्युत वितरण कंपनी का संबंधित लाईन मेन आया तो उसे नाराज ग्रामीणों के आक्रोश का सामना करना पड़ा, वहीं या तो बिजली कंपनी के पास संपूर्ण साधन बिजली के तार, सीमेंट के पोल, विद्युत ट्रांसफार्मर डीपी आदि सामग्री नहीं है या फिर कहीं ना कहीं भ्रष्टाचार का कथित खेल लंबे समय से चल रहा है? इस पर अंकुश नहीं लग पा रहा है और बेगुनाहों किसान भाइयों की जान इस प्रकार से जा रही है, पर इससे किसी को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। फर्क पड़ रहा है, तो मात्र पीड़ित मृतकों के परिजनों को। मृतक के परिजनों ने बिजली विभाग से तत्काल आर्थिक सहायता की मांग की है और लापरवाहों के खिलाफ जांच कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।*

## शासकीय विद्यालय के छात्रों ने एक्सपोज़र विजिट योजना में भ्रमण किया

**ताल निप्र.** पीएम श्री एकीकृत शासकीय हाई स्कूल कोठड़ी ( ताल ) के विद्यार्थियों ने एक्सपोजर विजिट योजना के तहत गांधी सागर का एक दिवसीय भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने जल विद्युत निर्माण की प्रक्रिया देखी। बांधों के निर्माण से सिंचाई और पेयजल आपूर्ति सुगम होती है। इसकी जानकारी भी विद्यार्थियों को दी गई। विद्यार्थियों ने क्रुज सवारी का आनंद भी लिया। इसके बाद विद्यार्थियों ने प्रसिद्ध दूधाखेड़ी माताजी के दर्शन भी किए । भ्रमण के दौरान प्राचार्य विनोद कुमार शर्मा, शिक्षक अनीता शास्त्री, विद्या दरेकर, राजेंद्र प्रजापति, निलेश उपाध्याय, मनीषा सिसोदिया ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

## मां की स्मृति में रक्तदान शिविर, समाज को दी सेवा की मिसाल

# गरुड़ पुराण समापन और द्वादश श्राद्ध में अनूठी पहल, थैलेसीमिया व सिकलसेल मरीजों के लिए समर्पित

### खरगोन शहर में तेहरवीं में पहली बार लगा रक्तदान शिविर

प्रसारण न्यूज ◆ खरगोन

*धार्मिक परंपराओं के साथ सामाजिक जिम्मेदारी का अद्भुत संगम खरगोन में देखने को मिला, जहां गरुड़ पुराण के समापन एवं द्वादश श्राद्ध तेहरवी के कार्यक्रम के अवसर पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन कर मॉ की स्मृति को सच्ची श्रद्धांजलि दी गई।*

*यह रक्तदान शिविर स्वर्गीय श्रीमती रमा रसिक बिहारी पुरोहित की स्मृति में आयोजित किया गया, जिसमें रक्तदान महादान की भावना के साथ बड़ी संख्या में लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। खास बात यह थी के मॉ की स्मृति में बेटे पोते, पोती, परिजन सहित 30 लोगो में 7 महिलाओ ने भी रक्तदान किया। शिविर का विशेष फोकस आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में थैलेसीमिया एवं सिकलसेल एनीमिया से पीड़ित मरीजों के लिए रक्त संग्रह पर रहा।*

*मध्यप्रदेश रेडक्रॉस सोसायटी के पूर्व चेयरमैन एवं आशुतोष पुरोहित ने अपनी मॉ की स्मृति में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन तेहरवी पर किया था। पुरोहित ने बताया कि रक्त की निरंतर आवश्यकता को देखते हुए इस आयोजन के माध्यम से समाज को रक्तदान के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के बाद भी रक्तदान की जरूरत बनी हुई है और ऐसे आयोजन समाज को नई दिशा देते हैं।*

*स्वर्गीय रमा पुरोहित के सुपुत्र अमिय पुरोहित, अंशुल पुरोहित और भतीजे डॉ अनुराग पुरोहित ने बताया कि मां की स्मृति में आगे भी प्रतिवर्ष रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर जीवनदायी रक्त मिल सके।*

*उल्लेखनीय है कि पीडब्ल्यूडी विभाग में एसडीओ रहे स्वर्गीय इंजीनियर रसिक बिहारी पुरोहित एवं उनकी पत्नी स्वर्गीय रमा पुरोहित धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सदैव सक्रिय रहे। श्रीमती रमा पुरोहित का 6 जनवरी को हृदयाघात से आकस्मिक निधन हो गया था।*

*जिला अस्पताल खरगोन के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. विनय सिह चौहान ने कहा कि दुख के अवसर पर द्वादश श्राद्ध में रक्तदान को लेकर अनूठी जागरूकता पहल की गई है। पहल ऐसे आयोजनों से रक्तदान को लेकर जनजागरूकता बढ़ती है और यह समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।*

*खरगोन शहर में पहली बार द्वादश श्राद्ध में रक्तदान शिविर लगाया गया है। ब्लड बैक खरगोन के टैक्निशियन सचिन चौहान ने बताया की रक्तदान को लेकर यह पहल समाजिक सरोकार है और ऐसे ही सभी को समय समय पर रक्तदान शिविरो का आयोजन होते रहना चाहिए, जिससे ब्लड बैक मै कभी ब्लड की कमी ना हो।*

*श्रद्धांजलि का नया स्वरूप पगड़ी एवं तेरहवीं जैसे धार्मिक आयोजनों में रक्तदान शिविर का आयोजन समाज के लिए प्रेरणादायी पहल है। इससे न केवल जरूरतमंद मरीजों को लाभ मिलता है, बल्कि समाज में सेवा और संवेदनशीलता की भावना भी मजबूत होती है। शिविर आयोजन के लिए ब्लड बैंक खरगोन से संपर्क कर सकते हैं। ब्लड बैंक टीम जितेंद्र गुप्ता, हरीश चौबे, महेंद्र खण्डे, कृष्णा चौहान।*

## सेवानिवृत्त लेखापाल जुबेर मोहम्मद कुरैशी का आकस्मिक निधन

प्रसारण न्यूज ◆ बदनावर

मार्केटिंग सोसायटी बदनावर के सेवानिवृत्त लेखापाल जुबेर मोहम्मद कुरैशी ( 64 वर्ष ) का आज रविवार दोपहर 12 बजे हृदय गति रुकने ( हार्ट अटैक ) से दुखद निधन हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार श्री कुरैशी लंबे समय से हृदय रोग से पीड़ित थे और 19 जनवरी को इंदौर में उनका बायपास ऑपरेशन होना तय था। आज सुबह अचानक चक्कर आने के कारण वे बेहोश होकर गिर पड़े।

उन्हें तत्काल सिविल हॉस्पिटल बदनावर ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सरदार पटेल हॉस्पिटल, पीटागरा रेफर किया गया, किंतु अस्पताल पहुंचने से पूर्व ही उन्होंने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वे स्व. श्री रियाज मोहम्मद कुरैशी के छोटे भाई और शोएब मोहम्मद कुरैशी के अंकल थे। उनके निधन की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर छा गई है। परिजनों के अनुसार आज रविवार शाम को मगरिब की नमाज के बाद उन्हें सुपुर्दे-खाक किया जाएगा।

## आज होंगे सेमीफाइनल व फाइनल

**मंदसौर निप्र.** 33वीं राज्य स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता का आयोजन मंदसौर के नूतन स्टेडियम में किया जा रहा है। प्रतियोगिता के तहत आज खेले गए रोमांचक मुकाबलों में विभिन्न जिलों की टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। आज मंदसौर और टीकमगढ़ के बीच हुए मैच में मंदसौर की टीम विजेता रही। वहीं मऊगंज और ग्वालियर के बीच खेले गए मुकाबले में मऊगंज ने जीत दर्ज की। शाजापुर और नीमच के बीच हुए मैच में शाजापुर विजेता रहा। इंदौर और नीमच के बीच हुए मुकाबले में इंदौर ने बाज़ी मारी। रीवा और मुरैना के बीच खेले गए मैच में रीवा विजेता रहा। इसी तरह रायसेन और शाजापुर के बीच हुए मैच में रायसेन तथा जबलपुर और रतलाम के बीच हुए मुकाबले में जबलपुर की टीम विजयी रही।

# 25 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे, सर्द हवाओं से ठिठुरन बढ़ी

### उत्तरी हिस्से में कोहरा छा रहा

**भोपाल, नप्र।** पहाड़ों में बर्फबारी और उत्तर से सर्द हवा आने से मध्यप्रदेश में भी ठंड बढ़ गई है। उत्तरी हिस्से में कोहरा छा रहा है। भोपाल, शहडोल-रीवा संभाग में तेज ठंड है। शहडोल के कल्याणपुर में पारा 3 डिग्री तक पहुंच गया है। वहीं, 25 शहरों में 10 डिग्री के नीचे टेम्परेचर है।

मौसम विभाग के अनुसार, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के साथ तेज ठंड है। वहां से हवा मैदानी इलाकों में आ रही है। शनिवार को उत्तर-पूर्व भारत के ऊपर समुद्र तल से 12.6 किमी की ऊंचाई पर करीब 269 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से जेट स्ट्रीम चलती रही। जिसका असर एमपी में भी देखा गया। इस वजह से सर्दी का असर देखा गया।

वहीं, मैहर, कटनी, उमरिया, शहडोल और अनूपपुर में सर्द हवाएं भी चली। शुक्रवार-शनिवार की रात में शहडोल के बाद उमरिया प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 4.8 डिग्री पहुंच गया।

**भोपाल, इंदौर, ग्वालियर-जबलपुर में 10 डिग्री से कमः** पांच बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 7.4 डिग्री, इंदौर में 9 डिग्री, ग्वालियर में 8.2 डिग्री, उज्जैन में 10 डिग्री और जबलपुर में पारा 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, उमरिया के बाद राजगढ़-खजुराहो में सबसे कम 5 डिग्री, मंडला में 5.4 डिग्री, रीवा में 5.5 डिग्री, नौगांव में 5.6 डिग्री, पचमढ़ी-दतिया में पारा 6.6 डिग्री दर्ज किया गया। बाकी शहरों में 10 डिग्री के आसपास ही तापमान रहा।

**कई जिलों में कोहरे का असरः** रविवार सुबह ग्वालियर, भिंड, दतिया, टीकमगढ़, निवाड़ी, छतरपुर, पन्ना, सतना और रीवा में मध्यम कोहरे का असर देखा गया। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, रायसेन, सीहोर, विदिशा समेत कई जिलों में हल्का कोहरा रहा। इसकी वजह से दिल्ली से प्रदेश में आने वाली ट्रेनें प्रभावित हो रही हैं। खासकर मालवा, झेलम और सचखंड एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों पर ज्यादा असर है।

**आगे ऐसा रहेगा मौसमः** मौसम विभाग के अनुसार, दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस ( पश्चिमी विक्षोभ ) 19 जनवरी और 21 जनवरी की रात से उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकते हैं। वहीं, राजस्थान के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव है। यह भी एमपी में असर दिखा सकता है। यानी, 22-23 जनवरी के बाद प्रदेश में कहीं-कहीं हल्की बारिश भी हो सकती है।

**इस बार कड़ाके की ठंड का दौरः** इस बार मध्यप्रदेश में नवंबर-दिसंबर की सर्दी ने रिकॉर्ड तोड़ दिया है। नवंबर में 84 साल में सबसे ज्यादा ठंड पड़ी तो दिसंबर में 25 साल का रिकॉर्ड टूटा। नवंबर-दिसंबर की तरह ही जनवरी में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इससे भोपाल में ठंड का 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया है।

एक्सपर्ट की माने तो जनवरी में प्रदेश में माइनस वाली ठंड गिर चुकी है। अबकी बार भी तेज सर्दी, घना कोहरा छाने के साथ शीतलहर भी चल रही है।

### ठंड के लिए इसलिए जनवरी खास

मौसम विभाग के अनुसार, जिस तरह मानसून के चार महीने ( जून, जुलाई, अगस्त और सितंबर ) में से दो महीने जुलाई-अगस्त महत्वपूर्ण रहते हैं और इन्हीं में 60 प्रतिशत या इससे अधिक बारिश हो जाती है, ठीक उसी तरह दिसंबर और जनवरी में कड़ाके की ठंड पड़ती है । इन्हीं दो महीने में प्रदेश में उत्तर भारत से सर्द हवाएं ज्यादा आती हैं इसलिए टेम्परेचर में अच्छी-खासी गिरावट आती है । सर्द हवाएं भी चलती हैं । पिछले 10 साल के आंकड़े यही ट्रेंड बताते हैं । वेस्टर्न डिस्टरबेंस ( पश्चिमी विक्षोभ ) के एक्टिव होने से जनवरी में मावठा भी गिरता है । पिछले साल कई जिलों में बारिश हुई थी । इस बार साल के पहले ही दिन बादल भी छाए रहे ।

### भोपाल में 0.6 डिग्री पहुंच चुका टेम्परेचर

भोपाल में जनवरी में कड़ाके की ठंड पड़ती है । वहीं, दिन में गर्मी का अहसास और बारिश का ट्रेंड भी है । 18 जनवरी 1935 को रात का टेम्परेचर रिकॉर्ड 0.6 डिग्री सेल्सियस रहा था । वहीं, 26 जनवरी 2009 को दिन में तापमान 33 डिग्री दर्ज किया गया था । पिछले 10 में से 7 साल बारिश हो चुकी है । 24 घंटे में सबसे ज्यादा 2 इंच बारिश 6 जनवरी 2004 को हुई थी । वहीं, सर्वाधिक मासिक 3.8 इंच बारिश जनवरी 1948 में हुई थी ।

## जयंत मलैया, ब्रजेंद्र प्रताप सिंह का होगा पुनर्वास, मिल सकता है निगम-मंडल में मौका

**भोपाल, नप्र ।** भाजपा ने राजनीतिक नियुक्तियों की अपनी रणनीति में बदलाव कर दिया है । पार्टी पहले कई किस्तों में राजनीतिक नियुक्तियां करना चाहती थी, लेकिन केंद्रीय नेतृत्व से मिले निर्देश के बाद सभी दर्जा प्राप्त मंत्रियों की सूची एक साथ निकाली जाएगी ।

इससे पहले पार्टी की तैयारी थी कि प्रदेश के सभी विकास प्राधिकरण और क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण जैसे विंध्य, बुंदेलखंड, महाकोशल विकास प्राधिकरणों में अध्यक्ष-उपाध्यक्षों की नियुक्ति पहली किस्त में करने की तैयारी थी । सूची को अंतिम रूप दिया जा चुका था । इस बीच मुंबई और महाराष्ट्र की नगर सरकारों के चुनाव आ जाने के कारण केंद्रीय नेतृत्व से समय नहीं मिल पाया था । अब संभावना है कि अगले सप्ताह बड़े नेताओं की बैठक में इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा । दरअसल, विधानसभा चुनाव-2023 के बाद से ही निगम-मंडलों में राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर संगठन पर दबाव है । पहले तो लोकसभा चुनाव के बाद राजनीतिक नियुक्तियां करने की योजना थी, लेकिन पहले भाजपा के संगठन चुनाव फिर प्रदेश, अध्यक्ष और राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में विलंब के कारण मामला टलता रहा । बिहार चुनाव के बाद राजनीतिक नियुक्तियों का मामला आगे बढ़ा, लेकिन फिर भी कोई निर्णय नहीं हो पाया ।

# चायनीज मांझे से कटे कपड़े, बड़ा हादसा टला

प्रसारण न्यूज ◆ पिपलिया स्टेशन

रविवार को प्रतिबंधित चायनीज मांझे के कारण एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। पिपलिया महावीरगंज निवासी एक व्यक्ति के कपड़े चायनीज मांझे से कट गए, जबकि उन्हें केवल मामूली रगड़ आई। गनीमत यह रही कि व्यक्ति ने ऊनी वस्त्र पहन रखे थे, अन्यथा गंभीर चोंट या जानलेवा हादसा भी हो सकता था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घनश्याम शर्मा निवासी महावीरगंज, पिपलियामंडी, रविवार को रेलवे फाटक स्थित ओवरब्रिज से अपनी बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान आसपास उड़ रही पतंग का प्रतिबंधित चायनीज मांझा अचानक उनके हाथ में फंस गया। मांझा इतना तेज था कि उनके हाथ की बाजू की साइड से पहनी हुई जर्किन, इनर, शर्ट व बनियान कट गई।

मांझे की चपेट में आने से घनश्याम शर्मा के हाथ में हल्की रगड़ आई, लेकिन ऊनी कपड़े होने के कारण शरीर को कोई गहरी चोट नहीं पहुंची। उल्लेखनीय है कि चायनीज मांझे के उपयोग पर शासन द्वारा पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है, क्योंकि इससे पूर्व भी कई स्थानों पर गंभीर हादसे हो चुके हैं। इसके बावजूद क्षेत्र में खुलेआम चायनीज मांझे का उपयोग किया जा रहा है, जिससे राहगीरों, बाइक सवारों व आम नागरिकों की जान पर लगातार खतरा मंडरा रहा है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि चायनीज मांझे की बिक्री व उपयोग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

### शिक्षक ही बच्चों का सच्चा भाग्य विधाता होता है - श्रीमती देवरिया,

**पिपलिया स्टेशन।** शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिपलिया स्टेशन में वार्षिक स्नेह सम्मेलन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में अतिथि नगर परिषद पिपलिया मंडी की अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सुनील देवरिया, मंडल अध्यक्ष राकेश पाटीदार, नप उपाध्यक्ष भारतसिंह सोनगरा, भाजयुमो जिला महामंत्री अंकित चिंटू शर्मा, चंद्रप्रकाश देवड़ा, महावीर कोठारी, मनोहर महामाया, पत्रकार बाबूलाल नागर, यूनुस मेव आदि रहे।

प्राचार्य बी आर सिसोदिया ने विद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विद्यालय की अनुशासनात्मक व्यवस्था, श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम तथा विगत तीन वर्षो की विभिन्न शैक्षणिक व सहशैक्षणिक उपलब्धियों की जानकारी दी। नप अध्यक्ष श्रीमती देवरिया ने कहा कि शिक्षक ही बच्चों का सच्चा भाग्य विधाता होता है। गुरु की महिमा माता-पिता से भी श्रेष्ठ है।

उन्होंने विद्यार्थियों से कड़ी मेहनत, अनुशासन एवं गुरुजनों की आज्ञा का पालन करने का आव्हान किया। साथ ही आश्वस्त किया कि नगर के शासकीय विद्यालयों में किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न नहीं होने दी जाएगी तथा शासन व नगरीय प्रशासन के माध्यम से अधिकतम सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। राकेश गोयल ने विद्यार्थियों को ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण भाव से अध्ययन कर राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि छात्रहित के सभी कार्यों में वे सदैव विद्यालय के साथ खड़े रहेंगे। अन्य अतिथियों ने भी अपने उद्बोधन में छात्रों को राष्ट्र के विकास में योगदान देने का संदेश

दिया। विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति एवं शिक्षा आधारित रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। छात्र अमन एवं भूपेंद्र की प्रस्तुतियां विशेष रूप से सराही गई। दोनों को नप अध्यक्ष श्रीमती देवरिया ने 1000 नगद पुरस्कार प्रदान किया। वार्षिक स्नेह सम्मेलन के दूसरे दिन के समापन कार्यक्रम में अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी मंदसौर सुश्री टेरेसा मिंज, पत्रकार रमेश जी तेलकार, बाबूलाल नागर, प्रकाश बंसल, रमेश जी झंवर उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रतिभावान छात्रों को शिक्षा, खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गोल्ड एवं सिल्वर मेडल, प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि सुश्री टेरेसा मिंज ने कहा कि छात्रों का सर्वांगीण विकास ही शिक्षक का सच्चा कर्त्तव्य और शिक्षा का अंतिम ध्येय है।

उन्होंने शिक्षकों से ईमानदारी व निष्ठा के साथ अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र का सच्चा निर्माता होता है। संचालन निर्मल कुमार सुनार्थी एवं अंजुम शाह ने किया।

# अष्टापद तीर्थ से छःरि पालित पैदल संघ 40 दिनों में पहुंचा पालीताणा तीर्थ

**प्रसारण न्यूज ◆ आलोट**

अष्टापद जैन तीर्थ से तीर्थ प्रेरिका श्री जिन शिशु प्रज्ञा श्रीजी की प्रेरणा से 40 दिनों तक 600 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर 15 जनवरी को पालीताणा तीर्थ आचार्य श्री जिन पीयूष सागर सुरेश्वर जी एवं श्री जिन शिशु प्रज्ञा श्रीजी की निश्रा में 50 से अधिक साधु साध्वी मंडल एवं कई आराधकों के साथ पहुंचा, इस दौरान 7 ममुक्षु तथा 35 संघपति की उपस्थिति में ध्वजा के साथ हर्षोल्लास के साथ निकाला गया। तीर्थ की तलहठी पर स्पर्शना कर दर्शन किए, उसके बाद समोसारण में संघपति के माल का कार्यक्रम विधि विधान के साथ आचार्य श्री जिन पियूष सागर सुरेश्वर जी की निश्रा में हुआ। संघपति के बहुमान का लाभ मांगीलाल कानूनगो सांचौर (मुंबई) द्वारा लिया गया। इस दौरान अष्टापद तीर्थ के सचिव रविंद्र सिंह श्रीमाल को तीर्थ भक्ति भास्कर पद से अलंकृत किया वही देश भर से आए खरतरगच्छ संघ के पदाधिकारी ने सम्यक सागर रत्न को आचार्य श्री की पदवी देने की करीब 5 000 श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति में आचार्य श्री से विनती की, शाम को भक्ति भावना का कार्यक्रम आयोजित हुआ और सुबह 4.45 पर सात मुमुक्षु भाई बहनों की दीक्षा का कार्यक्रम हुआ । आचार्य श्री ने विधि विधान से उन्हें ओगा भेंटकर दीक्षा करवाई । इसके बाद आचार्य श्री एवं साधु साध्वी मंडल की उपस्थिति में आदिनाथ दादा के दरबार में पहुंचकर विधि विधान के साथ मुख्य संघपति भूपेंद्र कुमार, महेंद्र कुमार, शैलेंद्र कुमार चिप्पड़ परिवार द्वारा ध्वजारोहण किया गया ।

## दीक्षा लेकर इनका हुआ नूतन नाम

संयम संग्राम 20 में मुमुक्षु दिनेश कांकरिया, नूतन दीक्षित नाम - मुनि सिद्धत्व रत्न सागर, मुमुक्षु विधान कांकरिया नूतन दीक्षित नाम- मुनी सुतीर्थ रत्न सागर, मुमुक्षु अनामिका कांकरिया नूतन दीक्षित नाम- साध्वी आत्मर्थ निधि, मुमुक्षु सविता वोहरा नूतन दीक्षित नाम - साध्वी सत्यार्थ निधि, मुमुक्षु हर्षदा कांकरिया नूतन दीक्षित नाम- साध्वी हितार्थ निधि, मुमुक्षु मुस्कान सेठिया नूतन दीक्षित नाम- साध्वी गितार्थ निधि, ममुक्षु पूर्वी दोशी का नूतन दीक्षित नाम -साध्वी परमार्थ निधि, नूतन मुनि आचार्य श्री जिन पीयूष सागर श्री जी के शिष्य बने एवं नूतन साध्वी श्री जिन शिशु प्रज्ञा श्री जी की शिष्या बनी।

कार्यक्रम के दौरान अष्टापद जैन तीर्थ ट्रस्ट मंडल के अध्यक्ष जयंतीलाल दख, सचिव रविंद्र सिंह श्रीमाल, कोषाध्यक्ष मनीष कोचर, आदर कुमार भंसाली, पुष्पा सिंह, आजाद सिंह ढड्ढा, नितेश बांठिया, सरदार मल चौरड़िया, पंकज मेहता, विवेक भंसाली, सुरेश डोशी, महेंद्र चोपड़ा, सुनील चोपड़ा, विपुल दख, अभय सेठिया के साथ ही सांचौर श्री संघ, सूरत, मालेगांव श्री संघ चोट्टन श्री संघ धूलिया श्री संघ प्रतापगढ़, श्री संघ रतलाम, जावरा श्री संघ के साथ ही देश भर के अनुयायी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ ।

# मध्यप्रदेश का सर्वश्रेष्ठ आधार सेवा केंद्र बना रतलाम प्रधान डाकघर

**प्रसारण न्यूज ◆ रतलाम**

डाक संभाग मध्य प्रदेश परिमंडल में नवाचारों के लिए जाना जाता रहा है। आधार सेवा को लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए चाहे जिला प्रशासन के साथ विद्यालयों में आधार शिविर आयोजित करना हो या ग्राम पंचायतों की मांग पर पंचायत में आधार शिविर आयोजित करना हो, चाहे आधार सेवा केंद्र को एक से अधिक पारियों में संचालित करना हो या उनके कार्य समय में वृद्धि करना हो, रतलाम डाक संभाग अपनी अलग पहचान रखता है।

इसी कारण जिले के डाकघर आधार सेवा केंद्र, आधार सेवाओं के लिए लाभार्थियों की प्रथम पसंद बनते जा रहे हैं।

रतलाम प्रधान डाकघर के आधार सेवा केंद्र ने तो पूरे मध्यप्रदेश में अपनी अलग पहचान बनाई है।

मध्यप्रदेश डाक परिमंडल में वर्ष 25-26 में 1 अप्रैल से 31 दिसंबर तक की अवधि के लिए परिमंडल के 23 संभागों और 55 जिलों में संचालित आधार सेवा केंद्रों में रतलाम प्रधान डाकघर स्थित आधार सेवा केंद्र को मध्यप्रदेश का सर्वश्रेष्ठ आधार सेवा केंद्र चुना गया है । 16 जनवरी को भोपाल में आयोजित एक समारोह में श्री विनीत माथुर मुख्य पोस्टमास्टर जनरल मध्यप्रदेश परिमंडल, श्री बृजेश कुमार पोस्टमास्टर जनरल जबलपुर परिक्षेत्र और श्रीमती प्रीति अग्रवाल पोस्टमास्टर जनरल इंदौर परिक्षेत्र द्वारा राजेश कुमावत अधीक्षक डाकघर रतलाम को इसके लिए परिमंडल ट्रॉफी से पुरस्कृत किया गया । रतलाम डाक संभाग के आधार ऑपरेटर्स के लिए यह गर्व की बात है।

उल्लेखनीय है कि अवकाश को छोड़कर रतलाम प्रधान डाकघर में आधार सेवा केंद्र सोमवार से शनिवार तक प्रातः 7 बजे से रात्रि 7 बजे तक पूरे 12 घंटे अनवरत संचालित होता है।

# बापू आश्रम पंचेड़ में हुआ मौनी अमावस्या पर विशिष्ट कार्यक्रम

**प्रसारण न्यूज ◆ नामली**

मौनी अमावस्या पर एक ओर संपूर्ण देश में अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। वहीं संत श्री आसाराम जी बापू आश्रम पंचेड़ में आज के सर्वार्थ सिद्धि योग एवं मौनी अमावस्या पर बहुत बड़ी संख्या में उनके भक्त एकत्रित हुए। दोपहर संध्या में सभी ने एक साथ गुरु वंदना करने के बाद योग लीला श्री आसारामायण जी का पाठ किया।

तत्पश्चात शास्त्र पठन, भजन, कीर्तन एवं वीडियो सत्संग का आयोजन किया गया। आश्रम से बताया कि आज आश्रम में मातृ पितृ पूजन का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने अपने-अपने माता-पिता की भाव के साथ पूजा परिक्रमा की और उनके चरण स्पर्श किए।

सभी माता-पिता बहुत गदगद हुए और कई की आंखों से आंसुओं की झड़ी लग गई।

प्रति अमावस्या के अनुसार जरूरतमंद लोगों को दैनिक जीवन की आवश्यक वस्तुओं जैसे अनाज, नगद धनराशि, वस्त्र, सत् साहित्य, तेल कंबल नव वर्ष के पूज्य श्री के श्री चित्र युक्त कैलेंडर एवं महाआरती के उपरांत सभी को प्रसादी का वितरण किया गया।

# गौ माता को राष्ट्र माता घोषित कराने के लिए आचार्य विजय का कठोर संकल्प, अन्न का किया त्याग

**प्रसारण न्यूज ◆ जावरा**

निकटवर्ती ग्राम भूतेड़ा स्थित गौशाला में आयोजित विराट संत समागम के दौरान एक भावुक और ऐतिहासिक क्षण तब आया, जब सुप्रसिद्ध आध्यात्मिक वक्ता आचार्य विजय ने गौ सेवा के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता जताते हुए एक कठोर संकल्प लिया। आचार्य विजय ने घोषणा की कि जब तक गौ माता को राष्ट्र माता का संवैधानिक सम्मान नहीं मिल जाता और उनकी पीड़ा समाप्त नहीं होती, तब तक वे अन्न का एक दाना भी ग्रहण नहीं करेंगे। संत समागम को संबोधित करते हुए आचार्य विजय ने कहा कि इस संकल्प की अवधि के दौरान वे केवल दिन में एक समय फलाहार पर ही जीवन यापन करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कोई व्यक्तिगत तपस्या नहीं, बल्कि समाज की सोई हुई चेतना को जगाने और गौ माता को उनका वास्तविक अधिकार दिलाने का एक प्रयास है।

**गौ माता राष्ट्र की आत्मा- आचार्य विजय :** आचार्य जी ने अपने उद्बोधन में कहा, गौ माता केवल दूध देने वाला पशु नहीं, बल्कि हमारी सनातन संस्कृति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और राष्ट्र की आत्मा का स्वरूप हैं। यह बड़े दुर्भाग्य का विषय है कि जिस देश में इन्हें पूजा जाता है, वहीं आज ये सड़कों पर भटकने और उपेक्षा झेलने को विवश हैं। यह हमारे नैतिक पतन का संकेत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि गौ रक्षा केवल भावनात्मक विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आधार है।

**संतों और ग्रामीणों ने दिया समर्थन :** आचार्य विजय के इस संकल्प का समागम में उपस्थित संत-महात्माओं, धर्माचार्यों और गौ सेवकों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। उपस्थित संतों ने एक स्वर में कहा कि यह संकल्प समाज को झकझोरने वाला है और गौ चेतना के एक नए आंदोलन का सूत्रपात करेगा। इस अवसर पर ग्रामीणों ने भी संकल्प लिया कि वे अपने पशुओं को लावारिस नहीं छोड़ेंगे और गौशालाओं के संरक्षण में तन-मन-धन से सहयोग करेंगे।

**प्रशासन से नीति बनाने का आग्रहः** कार्यक्रम के अंत में आचार्य विजय ने शासन-प्रशासन से भी पुरजोर अपील की कि गौ संरक्षण के लिए स्थायी और प्रभावी नीतियां बनाई जाएं। भूतेड़ा गौशाला में आयोजित इस समागम ने न केवल गौ सेवा का संदेश दिया, बल्कि गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग को एक नई धार भी प्रदान की।

# प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की 57वीं पुण्यतिथि विश्व शांति दिवस के रूप में मनाई

**जावरा निप्र.** प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की 57वीं पुण्यतिथि 18 जनवरी को विश्व शांति दिवस के रूप में मनाई गई ।

18 जनवरी केवल एक तिथि नहीं, बल्कि हर आत्मा को आत्म-परिवर्तन और देवतुल्य जीवन की प्रेरणा देने वाला दिव्य दिवस है । इसी दिन प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने सम्पूर्ण त्याग, तपस्या और नि :स्वार्थ सेवा के बल पर फरिश्ता स्वरूप धारण कर अव्यक्त वतन की ओर प्रस्थान किया । उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि साधारण मनुष्य भी दृढ़ संकल्प और ईश्वरीय ज्ञान से श्रेष्ठ बन सकता है । लगभग 60 वर्ष की आयु में परमात्मा शिव के दिव्य साक्षात्कार के पश्चात ब्रह्मा बाबा ( दादा लेखराज ) ने अपनी सम्पूर्ण संपत्ति विश्व कल्याण हेतु समर्पित कर नारी शक्ति के नेतृत्व में एक नई आध्यात्मिक क्रांति का सूत्रपात किया उनके जीवन का प्रत्येक क्षण आत्म-शुद्धि, सेवा और विश्व शांति के संकल्प से जुड़ा रहा ।

इस अवसर पर बी.के.सावित्री दीदी ने कहा कि ब्रह्मा बाबा हमें सिखाते हैं कि त्याग और तपस्या से हर आत्मा देवत्व की ओर बढ़ सकती है । आज लाखों आत्माएँ उनके पद चिह्नों पर चलकर जीवन को श्रेष्ठ बना रही हैं । वर्तमान समय में ब्रह्मा कुमारी संस्था विश्व के 140 देश मे 8000 से अधिक सेवा केंद्रों पर लगभग 50000 से अधिक समर्पित बहनों के माध्यम से अपनी सेवा प्रदान रही है । यह जानकारी शिव कन्या दीदी के द्वारा प्रदान की गई ।

# अव्यक्त दिवस पर ब्रह्मा बाबा का पुण्य स्मृति दिवस विश्व शांति दिवस के रूप में मनाया गया

**प्रसारण न्यूज ◆ रतलाम**

भाग्योदय भवन, गौरव पैलेस कॉलोनी, जावरा रोड, पुराने आरटीओ ऑफिस के पास स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय सेवा केंद्र पर 18 जनवरी को ब्रह्माकुमारी संस्थान के साकार संस्थापक पिताश्री ब्रह्मा बाबा का 57वां पुण्य स्मृति दिवस विश्व शांति दिवस के रूप में श्रद्धा, मौन और आत्मिक गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अव्यक्त दिवस के उपलक्ष्य में भावपूर्ण पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन केंद्र संचालिका राजयोगिनी मनोरमा दीदी के मार्गदर्शन में हुआ। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि ब्रह्मा बाबा को शांति दूत कहना किसी भी प्रकार की अतिशयोक्ति नहीं है।

एक साधारण मानव जीवन से उठकर उन्होंने आध्यात्मिक मार्ग अपनाते हुए सर्व भौतिक सुख-सुविधाओं का त्याग किया और तन-मन-धन को ईश्वर सेवा में समर्पित कर समाज में अकल्पनीय एवं क्रांतिकारी परिवर्तन किया।

मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार भ्राता रमेश सोनी ने कहा कि ब्रह्मा बाबा अद्भुत व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने साधारण मानव जीवन के उत्थान और जगत कल्याण हेतु अपना सर्वस्व परमात्मा के कार्य में अर्पित कर दिया। विशेष अतिथि नगर निगम रतलाम की पार्षद बहन मनीषा चौहान ने कहा कि ब्रह्मा बाबा द्वारा दिखाया गया मार्ग आज के समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायी और प्रासंगिक है।

कार्यक्रम में संस्था का परिचय मंजुला बहन ने दिया। आरती बहन ने उपस्थित जनों को राजयोग का अभ्यास कराया, जबकि पूजा बहन ने आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में उपस्थित बहनें मानसी केसवानी, सरोज मोडीया, रितिका केसवानी, लता पालीवाल, मधु केसवानी, पूजा केवलानी, पूनम लिंबोदिया, सोनल धारवाल, भारती ललवानी, भावना व्यास, हिमानी व्यास, साधना चौहान, जय बाला सोनी, सीमा सोनी, सरोज बैरागी, धर्मा कोठारी, राधा राठौर, संगीता राठौर, संगीता परिहार आदि उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में उपस्थित भाई भूपेंद्र सिंह देवड़ा, वीरेंद्र सोनी, मनोज सोनी, जीवन दास बैरागी, कमलेश श्रीवास्तव, ललित केसवानी, राजेश मोडीया, राजेंद्र मरमठ, कृष्ण कुमार चौहान, ऋषि केसवानी, नैतिक मोडीया, महेंद्र चौरसिया, सर्वेश मथुर, संजय पालीवाल, शांतिलाल परिहार, विजय सिंह मीणा, राहुल व्यास, शिव नारायण जी त्रिपाठी, महेंद्र फातोड़, शुभम पालीवाल आदि उपस्थित रहे।

पुष्पांजलि एवं मौन के क्षणों के साथ सम्पन्न हुए इस कार्यक्रम का वातावरण शांति, पवित्रता और आत्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण रहा।

# केंद्र सरकार ने सहकारिता मंत्रालय बनाकर सहकारिता आंदोलन को सशक्त बनाया : श्री डांगी

**प्रसारण न्यूज ◆ रतलाम**

सहकार भारती का 48 वां स्थापना दिवस उत्साह से मनाया गया इस अवसर पर वक्ताओं ने सहकार भारती के माध्यम से सहकारिता आंदोलन को गतिशील बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया तथा कहा कि सहकार शोषण रहित समाज रचना यानी उत्पादक, उपभोक्ता, व वितरण व्यवस्था इन तीनों के समन्वय से निर्मित हुई पर्याय व्यवस्था है। इसी व्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए सहकार भारती की स्थापना हुई थी यह एक राष्ट्वादी गैर राजनीतिक राष्ट्रीय संस्था है जिसकी स्थापना 1979 में की गई थी। आज इसकी शाखाएं देश के हर जिले में है। गुलाब चक्कर सभागार में आयोजित इस आयोजन में सहकार भारती की राष्ट्रीय स्तर पर चल रही गतिविधियों से अवगत कराते हुए मालवा प्रांत के संगठन मंत्री धर्मेंद्र डांगी ने कहा कि केंद्रीय सरकार ने सहकारिता मंत्रालय पृथक से बना कर सहकारिता आंदोलन को मजबूत बनाया है.यह आंदोलन जनजन का आंदोलन बने इस दिशा में प्रयत्न करना चाहिए। राष्ट्रीय डेयरी प्रकोष्ठ प्रमुख और विभाग प्रभारी देवेन्द्र शर्मा ने कहा कि पृथक से मंत्रालय बनने से देश के कई क्षेत्र में सहकारिता ने अपनी दस्तक दी है और दुग्ध समितियों के माध्यम से सांची औरअमूल ने गौरव हासिल किया है, आज देश में सहकारिता क्षेत्र में कार्यरत कई संस्थाए निजी क्षेत्र की कम्पनियों की प्रतिस्पर्धा में खड़ी हैं। वरिष्ठ सहकारिता नेता जिला संघ के पूर्व अध्यक्ष पत्रकार शरद जोशी ने कहा कि केंद्र ने सहकारिता आंदोलन को मजबूत बनाया है, वहीं मप्र सहकारिता आंदोलन दयनीय स्थिति में पहुच गया है। मप्र सरकार द्वारा विगत 15 वर्षो से चुनाव नही कराएं, प्रशासक व्यवस्था से 80 से 90 प्रतिशत समितियां अपना अस्तित्व खोने की स्थिति में आ गयी है, यह आंदोलन तभी गतशील हो पाएगा जब इसका लोकतान्त्रिक स्वरुप कायम होगाऔर नेतृत्व जन प्रतिनिधियों के हाथों में आयेगा।उन्होंने कहा कि मप्र में सहकारिता आंदोलन को बचाने के लिए सहकार भारती को आगे आना होगा। अंत में जिला अध्यक्ष सुनील पोरवाल ने आभार व्यक्त किया. कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री शिव कुमार द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष सुभाष मंडवारिया, अनिरुद्ध शर्मा, पिंकेश भट्ट, सुनिल वैरागी, प्रथमा कौशिक, उषा भार्गव, अर्चना गोयल पुनम ढलवानी, उषा भारद्वाज, दीपाली बुचके, निर्मला राणावत कांता परिहार, रजनीश गोयल, आदित्य मंडवारिया, अलका दुबे, सहित सदस्यगढ उपस्थित थे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी श्रेणिक कोठारी के लिए प्रसारण आफसेट, 43 काटजू मार्केट, रतलाम से मुद्रित एवं प्रकाशित । सम्पादक : श्रेणिक कोठारी, प्रबंध सम्पादक : प्रियेश कोठारी फोन . कार्यालय- 234446, 234732 फेक्स. (07412) 240709 ● वर्ष 56 अंक 87 ● आर.एन.आई.न.17422/70 ● पो. रजि.नं.RTM/DN/MP/07/18-20

# बवाल मचा तो विधायक बरैया खुद के बयान से पलटे

## कहा– मैंने बिहार के प्रोफेसर की किताब में पढ़ा, मंत्री बागरी बोलीं,ये निशाचरों की भाषा है

**भोपाल (नप्र)।** दतिया जिले की भांडेर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया एक विवादित बयान को लेकर गंभीर राजनीतिक और सामाजिक विवादों में घिर गए हैं। एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग की महिलाओं और बच्चियों के साथ बलात्कार को लेकर दी गई उनकी तथाकथित 'थ्योरी' पर चौतरफा निंदा हो रही है।

कांग्रेस पार्टी ने भी उनके बयान से दूरी बना ली है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने फूल सिंह बरैया से लिखित स्पष्टीकरण तलब किया है। वहीं, बढ़ते विरोध के बाद खुद बरैया ने अपने बयान से किनारा कर लिया है।

### बरैया बोले- मैं उस बयान से खुद सहमत नहीं हूं

फूल सिंह बरैया ने एक वीडियो जारी कर कहा- जिस बयान को लेकर मेरे ऊपर आरोप लगाए जा रहे हैं, वह मेरा मौलिक बयान नहीं है। वह बयान बिहार में दर्शनशास्त्र के एचओडी रहे हरिमोहन झा द्वारा लिखा गया है। मैंने उसे एक संदर्भ में कोट किया है। मैं उस बयान से भी सहमत नहीं हूं। मैं स्वयं ऐसा नहीं मानता, लेकिन संदर्भ के तौर पर उसे उद्धृत किया गया था।

### मंत्री प्रतिमा बागरी ने भी साधा बरैया पर निशाना

मध्यप्रदेश सरकार की नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने इस बयान को निशाचरों की भाषा करार दिया। प्रतिमा बागरी ने एससी-एसटी-ओबीसी महिलाओं को धर्म से जोड़कर दुष्कर्म को कथित रूप से पुण्य बताने की थ्योरी को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि यह न धर्म है, न पुण्य–यह सीधा-सीधा पाप है। उन्होंने कहा कि किसी भी धार्मिक ग्रंथ में इस तरह की बातों का कोई उल्लेख नहीं है।यह सोच धर्मग्रंथों की नहीं, बल्कि निशाचारी और तांत्रिक प्रवृत्तियों की देन है, जहां मनुष्य को मनुष्य नहीं समझा जाता।

### दुष्कर्म को धर्म से जोड़ना पीड़िताओं का अपमान

राज्यमंत्री ने भावुक शब्दों में कहा कि दुष्कर्म करने वाला व्यक्ति अपराध कर सम्मान के साथ चला जाता है और उसे धर्म से जोड़ना पीड़िताओं का अपमान है। उन्होंने कहा कि हमारा धर्म कहीं भी ऐसे कृत्यों का समर्थन नहीं करता। भारतीय संस्कृति त्याग, तपस्या और नारी सम्मान पर आधारित है। नारी को जन्म देने वाली माता के रूप में पूजा गया है, जिनके पुण्य से पृथ्वी टिकी है।प्रतिमा बागरी ने अंत में फूल सिंह बरैया के बयान की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि समाज, महिलाओं और पुरुषों को मिलकर ऐसी सोच का विरोध करना होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह की मानसिकता को बढ़ावा देने वालों को अपने कर्मों का फल अवश्य मिलेगा और उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि समाज इस बुराई के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा हो।

### तांत्रिक क्रियाओं में अमरत्व जैसी बातें होतीं हैं

राज्यमंत्री ने कहा कि यह अत्यंत पीड़ादायक है कि एक जिम्मेदार जनप्रतिनिधि ऐसे ग्रंथों और विचारों का उल्लेख कर रहा है, जिनमें तांत्रिक क्रियाओं और अमरत्व जैसे विकृत प्रयासों की बात होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे विचार समाज, महिलाओं और मानवीय जीवन के लिए घातक हैं।

प्रतिमा बागरी ने कहा कि भारतीय समाज में महिलाओं ने त्याग, बलिदान, वीरता, शौर्य, बुद्धिमत्ता, उद्यमिता और कार्यकुशलता के असंख्य उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने बरैया को सलाह दी कि वे ऐसे विचारों का प्रचार करने के बजाय उन पुस्तकों और उदाहरणों का अध्ययन करें, जो महिलाओं के सम्मान और योगदान को रेखांकित करते हैं।

### महिलाओं के खिलाफ अपराधों को धर्म से जोड़कर प्रोत्साहित करना खतरनाक

प्रतिमा ने कहा कि बरैया का बयान समाज को यह संदेश देता है कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों को धर्म से जोड़कर प्रोत्साहित किया जाए, जो बेहद खतरनाक है। यह सोच उन बच्चियों के दर्द और पीड़ा को समझने में पूरी तरह असफल है, जिनके साथ तीन-तीन साल की उम्र में जघन्य अपराध होते हैं–जब वे न जाति जानती हैं, न समाज, न धर्म।

# 20 जनवरी 2026 को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी भीकनगांव में विशाल को किसान न्याय सम्मेलन को संबोधित करेंगे

### बिंजलवाड़ा परियोजना से प्रभावित किसानों से होगी चर्चा

प्रसारण न्यूज ◆ खरगोन

अपने खरगोन प्रवास के दौरान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी जी ने बिंजलवाड़ा परियोजना से प्रभावित किसानों की आवाज उठाने के लिए खुद भीकनगांव आने का वादा किया था इस तारतम्य में मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी जी 20 जनवरी 2026 को दोपहर 1 बजे भीकनगांव पहुंचकर बिंजलवाड़ा परियोजना से प्रभावित किसान साथियों के समर्थन में विशाल किसान न्याय सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

उक्त जानकारी जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता राजेश मंडलोई ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर देते हुए बताया कि निमाड़ में किसानों की स्थिति बहुत बुरी है ना उन्हें समय पर खाद उपलब्ध होता है ना पर्याप्त बिजली मिल रही है, ना उनकी फसलों के उचित दाम मिल रहे हैं

और जब किसान अपने हक की आवाज उठाता है, तो मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार उसके ऊपर मुकदमे लाद देती है।

क्षेत्रीय विधायक श्रीमती झूमा सोलंकी जी और भीकनगांव विधानसभा की समस्त ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में होने जा रहे हैं। इस सम्मेलन में किसानों की आवाज बुलंद करने के लिए मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी जी भीकनगांव पहुंच रहे हैं।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रवि नाईक, पूर्व मंत्री डॉ. विजयलक्ष्मी साधौ, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष पूर्व विधायक रवि जोशी, विधायक केदार डाबर, विधायक सचिन यादव, नरेंद्र पटेल, लोकसभा उम्मीदवार पोरलाल खरते, डॉक्टर गोविंद मुजाल्दे सहित कांग्रेस के समस्त ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों ने निमाड़ के अधिक से अधिक साथियों से 20 जनवरी 2026 को दोपहर 1 बजे भीकनगांव पहुंचने की अपील की है।

**नीमच निप्र.** मनासा के बाद अब नीमच शहर में पैर पसार रही खतरनाक बीमारी जीबीएस को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने शासन से विशेष ध्यान देने एवं इस बीमारी को आयुष्मान कार्ड में जोड़ने और पीड़ितों का कैशलेस इलाज की बड़ी मांग रखी है। नीमच बड़ा शहर है इसमें जीबीएस को रोकने के लिए जिला प्रशासन शीघ्र एडवाइसरी जारी करे।जिलाध्यक्ष बाहेती ने कहा कि वर्तमान में इस घातक बीमारी का आयुष्मान भारत योजना के तहत कवरेज नहीं होना बेहद चिंताजनक है, जिसके कारण गरीब वर्ग इस जानलेवा बीमारी के सामने असहाय महसूस कर रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से पुरजोर मांग की है कि जीबीएस को तत्काल प्रभाव से आयुष्मान भारत योजना के पूर्ण दायरे में शामिल किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का रविवार को कानपुर में उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

# पूर्व विधायक बोले-एंजॉय करने वाली मां से पैदा हुए हो?

## आरडी प्रजापति ने कहा- कथावाचकों को जूते की माला पहनाकर नंगा घुमाया जाए

**भोपाल (नप्र)।** छतरपुर के चंदला से पूर्व विधायक आरडी प्रजापति ने कथावाचकों पर विवादित बयान दिया है। प्रजापति ने कहा- अब बहन-बेटियां तो प्लॉट हो गई हैं। कोई भी सौ बार रजिस्ट्री कराओ, हजार बार रजिस्ट्री कराओ। बहन-बेटियों की छाती से पृथ्वी हिलने लगी है, ये अनिरुद्धाचार्य कहते हैं।

प्रजापति ने आगे कहा- एक अंधाचार्य है, वह कहता है कि वाइफ मतलब वंडरफुल इंस्ट्रूमेंट फॉर एंजॉय। तुम भी अपनी एंजॉय वाली मां से पैदा हुए हो का? कितने लोगों ने एंजॉय किया है? तभी तुम्हारी आंखें खराब हो गईं, अंधरा। एक बाबा लाली लगाकर कहता है, 25 साल की लड़कियां कथाओं में जाकर अपनी जवानी 'उतार कर' आती हैं। मैं चाहता हूं कि हमको फांसी दी जाए, संतोष वर्मा जी को आईएएस से हटा दिया जाए, लेकिन पहले उनको (कथावाचकों को) जूतों की माला पहनाकर नंगा घुमाया जाए, जो व्यास पीठ से ऐसा बोलते हैं। प्रजापति ने ये बात रविवार को भोपाल के भेल दशहरा मैदान में अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग संयुक्त मोर्चा के महासम्मेलन में कही।

**बीजेपी से विधायक रहे, सपा से लोकसभा चुनाव लड़ा-** आरडी प्रजापति ने 2013 का विधानसभा चुनाव बीजेपी के टिकट पर जीता था। 2018 में पार्टी ने उनका टिकट काटकर उनके बेटे राजेश प्रजापति को दे दिया। राजेश प्रजापति 2018 से 2023 तक विधायक रहे। इस दौरान आरडी प्रजापति ने सपा जॉइन कर ली। सपा के टिकट पर ही टीकमगढ़ से 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ा था। इसमें वे हार गए थे।

संयुक्त मोर्चा के महासम्मेलन में आरडी प्रजापति ने मंच से कहा- देश में कुछ कथावाचक और धर्मगुरु करोड़ों लोगों की भीड़ जुटाकर महिलाओं को लेकर आपत्तिजनक और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती।

उन्होंने कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री और अनिरुद्धाचार्य का नाम लेते हुए कहा कि महिलाओं को 'खाली प्लॉट' जैसी उपमाओं से जोड़ना या 20-25 साल की लड़कियों को लेकर अभद्र टिप्पणियां करना किसी भी धर्म या शास्त्र में स्वीकार्य नहीं हो सकता।

यदि कोई महिला विधवा हो जाए तो क्या उसका सिंदूर और मंगलसूत्र हट जाना उसे 'खाली प्लॉट' बना देता है। प्लॉट का मतलब जमीन होता है, जिसे बार-बार खरीदा और बेचा जा सकता है, तो क्या समाज अपनी बहन-बेटियों को भी उसी नजर से देखेगा।

प्रजापति ने यह भी कहा- कुछ कथावाचकों द्वारा यह कहा जाना कि 25 साल की लड़कियां कथाओं में जाकर अपनी जवानी 'उतार कर' आती हैं, न सिर्फ असंवेदनशील है बल्कि पूरे समाज को शर्मसार करने वाला है। इस तरह के बयान व्यास पीठ से नहीं दिए जाने चाहिए और प्रशासन को ऐसे लोगों पर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में मेहनत करने वाला वर्ग हाशिए पर है, जबकि धर्म और चंदे के सहारे प्रभावशाली बनने वाले लोग मलाई खा रहे हैं।

# पशुपालन एवं पशु कल्याण को लेकर प्रदेश भर में चलेगा एक माह का जागरूकता अभियान

**भोपाल (नप्र)।** भारत सरकार के मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा पशुपालकों, किसानों, छात्र-छात्राओं को पशुपालन एवं डेयरी से संबंधित योजनाओं एवं पशु कल्याण के बारे में जागरूक करने के लिए पशुपालन एवं पशु कल्याण जागरूकता माह का आयोजन किया जा रहा है। जो 13 फरवरी 2026 तक चलेगा। केंद्रीय पशुपालन एवं डेयरी विभाग के निर्देशानुसार प्रदेश में भी पशुपालन एवं पशु कल्याण जागरूकता माह का आयोजन किया जाएगा। एक माह तक चलने वाले कार्यक्रम को लेकर संचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ. पीएस पटेल ने सभी जिलों को निर्देश भी जारी कर दिए हैं।

संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने बताया कि यह अभियान राज्य, जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर विभिन्न जागरूकता एवं हितग्राही मूलक गतिविधियों के माध्यम से संचालित होगा।

अभियान के अंतर्गत पशुकल्याण, पशु चिकित्सा सेवाओं, उन्नत पशुपालन, डेयरी, बकरी एवं मुर्गी पालन से संबंधित योजनाओं के साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा पशुपालन से संबंधित चलाई जा रही हितग्राही मूलक योजनाओं के बारे में पशुपालकों को जागरूक किया जाएगा। इसके लिए संगोष्ठियां, ऑनलाइन वेबिनार, युवा संवाद, गोशालाओं एवं पशु कल्याण संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

# भोपाल के युवक को राजस्थान में बंधक बनाकर पीटा

## परिजन बोले– पेशाब भी पिलाया, प्रेमिका ने खुद कॉल कर बुलाया था

**भोपाल (नप्र)।** भोपाल के एक युवक को उसकी प्रेमिका ने कॉल कर राजस्थान के गांव बुलाया, जहां पहुंचते ही युवती के परिजनों और गांव वालों ने उसे बंधक बना लिया और बेरहमी से मारपीट की। आरोपियों ने युवक को पीटते हुए बीयर की बोतल से जबरन तरल पदार्थ पिलाने का वीडियो बनाकर परिजनों को भेजा। वीडियो मिलने के बाद रविवार दोपहर परिजन भोपाल के कोलार थाने पहुंचे। परिजनों का दावा है कि बोतल में पेशाब भरकर पिलाया गया। भोपाल पुलिस ने युवक को मुक्त कराने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस की एक टीम राजस्थान रवाना की गई है।

**युवती के परिजनों ने वीडियो भेजकर दी धमकी-** राजस्थान के झालावाड़ जिले के दांगीपुरा थाना क्षेत्र के एक गांव में भोपाल के युवक को तीन दिनों से बंधक बनाकर रखा गया है। आरोपियों ने युवक के साथ मारपीट का वीडियो बनाकर उसके

परिजनों को भेजा, जिससे परिवार में दहशत फैल गई। पीड़ित 18 वर्षीय सोनू भोपाल के कोलार इलाके का रहने वाला है। उसका प्रेम-प्रसंग झालावाड़ जिले के ग्राम पुलोरो निवासी एक युवती से चल रहा था। युवती करीब 15 दिन पहले भोपाल आई थी और सोनू के साथ रहने लगी थी।

**समझाइश के बाद युवती को ले गए थे परिजन-** करीब दस दिन पहले युवती के परिजन भोपाल पहुंचे और समझा-बुझाकर उसे अपने साथ गांव ले गए। तीन दिन पहले युवती ने ही सोनू को कॉल कर गांव बुलाया और साथ ले जाने की बात कही। प्रेमिका के कहने पर सोनू राजस्थान पहुंचा, जहां युवती के परिजनों और गांव वालों ने उसे पकड़कर बंधक बना लिया और जमकर मारपीट की।

**टीआई बोले— युवक को सुरक्षित निकालना प्राथमिकता-** कोलार थाने के टीआई संजय सोनी ने बताया कि घटना राजस्थान की है, लेकिन युवक को सुरक्षित मुक्त कराना प्राथमिकता है। राजगढ़ पुलिस को मौके पर भेजा गया है और राजस्थान पुलिस को पूरे मामले से अवगत करा दिया गया है। वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

# पत्नी खाना लेकर बैठी होगी, कहकर निकले जवान की मौत

## भोपाल से राजगढ़ लौट रहा था सीआरपीएफ जवान, बाइक पेड़ से टकराई, हादसे के पहले दोस्त को छोड़ा था

**राजगढ़ (नप्र)।** घर पर पत्नी खाना लेकर इंतजार कर रही होगीज यह कहकर दोस्त से विदा लेने वाले सीआरपीएफ जवान को शायद अंदाजा भी नहीं था कि यह उसकी जिंदगी की आखिरी बात साबित होगी। पांच दिन की छुट्टी लेकर गांव लौट रहे सीआरपीएफ जवान की शनिवार रात सड़क हादसे में मौत हो गई।

मृतक की पहचान हालाहेड़ी गांव निवासी 35 वर्षीय सुरेश वर्मा के रूप में हुई है, जो वर्तमान में भोपाल में सीआरपीएफ में पदस्थ था। हादसा हालाहेड़ी गांव से महज डेढ़ किलोमीटर पहले तालाब के पास मोड़ पर हुआ, जहां तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे नीम के पेड़ से टकरा गई।

**भोपाल से बाइक से निकले थे दोनों दोस्त-** सुरेश वर्मा शनिवार को पांच दिन की छुट्टी लेकर भोपाल से गांव लौट रहा था। उसके साथ सीआरपीएफ में ही पदस्थ उसका दोस्त रामेश्वर दांगी भी था, जो हिनोत्या गांव का निवासी है। दोनों दोपहर करीब साढ़े 12 बजे बाइक से रवाना हुए थे।

रामेश्वर दांगी के मुताबिक, रास्ते में सुरेश की पल्सर बाइक के हैंडल और कुछ पार्ट्स ढीले महसूस हो रहे थे। एहतियात के तौर पर दोनों एक शोरूम पर रुके और मैकेनिक से बाइक की मरम्मत करवाई। इसके बाद वे धीरे-धीरे आगे बढ़े। शाम करीब साढ़े 7 बजे खिलचीपुर पहुंचकर सब्जी भी खरीदी।

**पत्नी के साथ खाने की बात कहकर हुआ विदा-** खिलचीपुर

से आगे बढ़ते हुए सुरेश ने अपने दोस्त रामेश्वर को हिनोत्या में उसके घर छोड़ दिया। रामेश्वर ने उसे खाना खाने के लिए रोका, लेकिन सुरेश ने मुस्कराते हुए कहा- घर पर रीना खाना लेकर इंतजार कर रही होगी, आज उसी के साथ खाना खाऊंगा।

हिनोत्या से निकलने के कुछ ही मिनट बाद हालाहेड़ी गांव से पहले तालाब के पास मोड़ पर हादसा हो गया। तेज रफ्तार बाइक नीम के पेड़ से टकरा गई। बाइक के अगले हिस्से के टुकड़े सड़क पर बिखर गए, अगला टायर टूटकर अलग जा गिरा और हेलमेट भी टूट हो गया। सिर और चेहरे पर गंभीर चोट लगने से सुरेश की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे। सुरेश को तुरंत खिलचीपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिस वक्त घर में उसके आने की तैयारी चल रही थी, उसी समय अस्पताल से मौत की खबर पहुंची। गांव में जवान की मौत से शोक का माहौल है।

# प्रेम-संबंध छिपाने मां ने बेटे को दो मंजिल से फेंका

## रिकॉर्डिंग और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हत्यारी मां को उम्रकैद, सबूतों के अभाव में प्रेमी बरी

**ग्वालियर (नप्र)।** ग्वालियर में तीन साल के मासूम की हत्या के मामले में अपर सत्र न्यायालय ने मां ज्योति राठौर को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है, जबकि पर्याप्त सबूत न होने पर उसके प्रेमी उदय इंदौलिया को बरी कर दिया। यह फैसला शनिवार को परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर सुनाया गया।

घटना 28 अप्रैल 2023 की थाटीपुर थाना क्षेत्र की है। ज्योति राठौर पड़ोस में रहने वाले अपने प्रेमी उदय इंदौलिया के साथ छत पर थी। इसी दौरान उसका बेटा जतिन छत पर पहुंच गया और उसने मां को प्रेमी की बाहों में देख लिया। इस बात के उजागर होने के डर से ज्योति ने जतिन को दो मंजिला छत से नीचे फेंक दिया।

ऊंचाई से गिरने के कारण बच्चे के सिर में गंभीर चोटें आईं। उसे ग्वालियर के जयारोग्य अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक दिन इलाज के बाद 29 अप्रैल को उसकी मौत हो गई। बच्चे के पुलिस कॉन्स्टेबल पिता ध्यान सिंह शुरुआत में इसे हादसा मानते रहे।बच्चे की हत्या करने के मामले में ग्वालियर के अपर सत्र न्यायालय ने उसकी मां को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई।

**बेटे की मौत के बाद मां बोली- सपने में आता है वो-** बेटे जतिन की मौत के बाद ज्योति डरी-सहमी और घबराई हुई रहने लगी थी। वह रात में अचानक घबराकर जाग जाती थी। पति ध्यान सिंह को लगा कि पत्नी बेटे की मौत के गहरे सदमे में है। इसी वजह से उसे नींद नहीं आ रही है, लेकिन ज्योति की हालत दिन-ब-दिन खराब होती चली गई। डॉक्टरों को दिखाने के बाद भी उसकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ।

दरअसल, ज्योति के रात में जागने की वजह यह थी कि उसका मरा हुआ बेटा जतिन उसे बार-बार सपनों में दिखाई देता था। उसे आभास होने लगा था कि जतिन की

आत्मा घर में भटक रही है। उसका जीना मुहाल हो जाएगा। इसी डर के चलते एक दिन उसने पति के सामने जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि गुस्से में उसने बेटे को छत से धक्का दे दिया था।

यह कबूलनामा सुनकर पुलिसकर्मी पति ध्यान सिंह खुद को रोक नहीं सका और उसने तय कर लिया कि वह अपनी पत्नी को सजा जरूर दिलाएगा। हालांकि, इस घटना का कोई प्रत्यक्ष सबूत या गवाह नहीं था। इसके चलते ध्यान सिंह ने पहले पत्नी ज्योति को विश्वास में लिया और उससे लगातार घटना को लेकर बातचीत करने लगा। साथ ही वह इन बातचीत को मोबाइल में रिकॉर्ड भी करने लगा।

**घटना के समय को लेकर अलग-अलग जवाब देने लगी-** जब ज्योति से घटना के समय को लेकर सवाल किए गए तो वह अलग-अलग जवाब देने लगी। इतना ही नहीं, जब पुलिसकर्मी पति ने उसे छत पर ले जाकर क्राइम सीन रिक्रिएट करने को कहा तो वह अलग-अलग जगह अपनी मौजूदगी बताने लगी। इससे शक और गहराता गया।एक दिन अचानक महिला रो पड़ी और उसने जुर्म कबूल कर लिया। उसने कहा कि उसने जतिन को चोट पहुंचाने के लिए नहीं, बल्कि जान लेने के इरादे से ही छत से फेंका था। हालांकि, इसका कारण वह कभी दुकान तो कभी कोई और वजह बताने लगी। पुलिस ने ज्योति के प्रेमी उदय इंदौलिया को भी आरोपी बनाया था। कोर्ट ने सबूतों के आधार पर उसे बरी कर दिया।

**दुकान को लेकर बनाया झूठा बहाना-** कबूलनामे में ज्योति ने पहले दावा किया कि पति दुकान बंद करने की बात को गंभीरता से नहीं ले रहा था। वह दुकान को अशुभ साबित करना चाहती थी। इसी सोच के तहत उसने 3 साल 4 महीने के बेटे सनी उर्फ जतिन को छत से नीचे धक्का दे दिया।